कोटद्वार, शनिवार
28 मार्च 2026
वर्षः 48
अंकः 298 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोनः 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

दिल्ली में मौसम का मिजाज बदला, बारिश और तेज हवाओं का यलो अलर्ट जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की राजधानी दिल्ली में कड़कती धूप और बढ़ती गर्मी के बीच मौसम एक बार फिर करवट लेने जा रहा है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने दिल्ली-एनसीआर में अगले चार दिनों तक तेज हवाओं के साथ बारिश होने की संभावना जताते हुए यलो अलर्ट जारी किया है। मौसम में यह बदलाव 28 मार्च से सक्रिय हो रहे एक नए पश्चिमी विक्षोभ के कारण देखने को मिलेगा, जिसके चलते दिल्ली के विभिन्न इलाकों में गरज-चमक के साथ हल्की बारिश या बूंदाबांदी हो सकती है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, बृहस्पतिवार देर रात से ही आसमान में बादलों की आवाजाही शुरू होने की उम्मीद है। शुक्रवार को दिन भर बादल छाए रहेंगे और सुबह से दोपहर के बीच गरज-चमक के साथ हल्की फुहारें गिरने के आसार हैं। हालांकि 28 मार्च को मौसम थोड़ा शांत रह सकता है, लेकिन 29 मार्च को एक बार फिर बादलों के बरसने की प्रबल संभावना है। सबसे अधिक प्रभाव 30 मार्च को देखने को मिल सकता है, जब दिल्ली में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलेंगी और बारिश के साथ मौसम खुशनुमा हो जाएगा। इस बदलाव के बाद तापमान में भी हल्की गिरावट दर्ज की जा सकती है, जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिलेगी। इससे पहले, बृहस्पतिवार को दिल्लीवासी तेज धूप और उमस भरी गर्मी से परेशान रहे। दिन का अधिकतम तापमान 34.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से अधिक है, जबकि न्यूनतम तापमान 19.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। हवा में नमी का अधिकतम स्तर 77 प्रतिशत और न्यूनतम 25 प्रतिशत रहा। मौसम वैज्ञानिकों का मानना है कि आने वाले दिनों में होने वाली यह बूंदाबांदी मार्च के अंत में बढ़ते पारे पर लगाम लगाएगी और धूल भरी हवाओं से भी राहत दिलाएगी।

एयर इंडिया एक्सप्रेस ने भारत-मिडिल ईस्ट के बीच 22 नई फ्लाइट बढ़ाईं

नई दिल्ली (एजेंसी)। एयर इंडिया और उसकी सहायक कंपनी एयर इंडिया एक्सप्रेस ने शुक्रवार के लिए अद्यतन अंतरराष्ट्रीय उड़ान कार्यक्रम जारी किया है, जिसमें भारत और पश्चिम एशिया के प्रमुख गंतव्यों के बीच संचालित होने वाली 22 निर्धारित और गैर-निर्धारित उड़ानों की पुष्टि की है। एयरलाइनों ने बताया कि संशोधित योजना क्षेत्र में वर्तमान यात्रा पैटर्न और परिचालन आवश्यकताओं को दर्शाती है। मीडिया रिपोर्ट में बयान के मुताबकि एयर इंडिया जेद्दा से आने-जाने वाली चार निर्धारित उड़ानें संचालित करेगी, जिनमें दिल्ली और मुंबई से दो-दो उड़ानें शामिल हैं। मुंबई-रियाद मार्ग पर दो और निर्धारित उड़ानें संचालित होंगी। बयान में कहा गया है कि एयर इंडिया एक्सप्रेस मस्कट और रियाद से आने-जाने वाली चार-चार उड़ानों के साथ इन मार्गों को और मजबूत करेगी। मस्कट की उड़ानें दिल्ली और मुंबई से संचालित होंगी, जबकि रियाद की उड़ानें बेंगलुरु और कोझिकोड से शुरू होंगी। रिपोर्ट के मुताबिक दोनों एयरलाइनें हवाईअड्डों पर उपलब्ध स्लॉट और मौजूदा जमीनी परिस्थितियों के आधार पर संयुक्त अरब अमीरात से आने-जाने वाली आठ अनियमित उड़ानें भी संचालित करेंगी। इन अतिरिक्त उड़ानों का उद्देश्य यात्रियों की भारी मांग को प्रबंधित करना और उनके लिए अधिक क्षमता सुनिश्चित करना है। प्रेस नोट में उस दिन की निर्धारित, अनियमित और अस्थायी रूप से निलंबित सेवाओं की पूरी सूची दी गई है। जेद्दा, रियाद और मस्कट जैसे मार्गों पर नियमित उड़ानें जारी रहेंगी, जबकि दुबई और अबू धाबी समेत यूएई के कुछ एयरपोर्ट पर केवल अनियमित उड़ानें ही चलेंगी।

पेड पीरियड लीव : कर्नाटक सरकार के आदेश के खिलाफ कोर्ट पहुंची 15 कामकाजी महिलाएं

जयपुर (एजेंसी)। बेंगलुरु,(ईएमएस)। कर्नाटक में कामकाजी महिलाओं के लिए पेड पीरियड लीव को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है। राज्य की कांग्रेस सरकार ने 20 नवंबर 2025 को सभी सरकारी और निजी सेक्टर की महिलाओं को हर महीने एक दिन की पेड पीरियड लीव देने का आदेश दिया था। इस आदेश के तहत महिलाओं को उस दिन की सैलरी भी मिलेगी। हालांकि, कर्नाटक सरकार के आदेश के खिलाफ अब बेंगलुरु की 15 निजी कंपनियों में मैनेजर पद पर कार्यरत महिलाओं ने कर्नाटक हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। इन महिलाओं का तर्क है कि पुरुष और महिला के बीच अलग नियम बनाना कार्यस्थल पर समानता के सिद्धांत के खिलाफ है। उनका कहना है कि इस तरह की अनिवार्य छुट्टी महिलाओं को कमजोर दिखाने वाली सोच को बढ़ावा देती है और नियोक्ता उन्हें पुरुषों से कम सक्षम समझ सकते हैं।

दिल्ली हाईकोर्ट ने रेप के आरोपी को नहीं दी जमानत, भरोसा तोड़ना भी माना अपराध

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने नाबालिग लड़की के साथ बलात्कार के आरोपी को जमानत देने से इंकार किया है। जस्टिस गिरीश कठपालिया की बेंच ने आदेश में कहा कि यह मामला केवल बलात्कार तक सीमित नहीं है, बल्कि रिश्ते में भरोसे को तोड़ना भी अपराध है। पीड़िता ने आरोपी को अपना भाई मानकर राखी बांधी थी और पीड़िता उस पर भरोसा करती थी। दिल्ली हाईकोर्ट ने बताया कि एफआईआर में पीड़िता ने घटना विस्तार से बताकर कहा कि उसने विरोध करने की कोशिश की, लेकिन आरोपी ने पीड़ित को काबू कर कपड़े से मुंह बंद कर दिया। जस्टिस कठपालिया ने कहा, फ्रयह सिर्फ बलात्कार का मामला नहीं है। पीड़िता ने आरोपी को अपना भाई माना और उस पर भरोसा किया। इन परिस्थितियों को देखकर जमानत देना उचित नहीं है। मामला साल 2021 का है, जब 13 साल की नाबालिग ने आरोप लगाया कि आरोपी ने बहाने से होटल ले जाकर उसके साथ बलात्कार किया। उसी साल रेप का केस दर्ज होने के बाद आरोपी हिरासत में था। मार्च 2026 में उसने जमानत के लिए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया।

आरोपी के वकील विवेक त्रिपाठी ने जमानत का आधार पर बताया कि आरोपी बीते साढ़े चार साल से हिरासत में है। वहीं, दिल्ली पुलिस की ओर से अतिरिक्त लोक अभियोजक संजीव सभरवाल ने अपराध की गंभीरता को देखकर जमानत देने का विरोध किया। उन्होंने कहा कि ट्रायल कोर्ट में पीड़िता की गवाही पूरी तरह से अभियोजन के पक्ष में है और अब केवल दो औपचारिक गवाहों की जांच बाकी है। दिल्ली हाईकोर्ट के इस आदेश से यह स्पष्ट हो गया कि नाबालिग के प्रति भरोसे का उल्लंघन भी गंभीर अपराध माना जाएगा। अदालत ने कहा कि जमानत देने से न्याय के अधिकार और पीड़िता के विश्वास की रक्षा पर प्रभाव पड़ सकता है। इस प्रकार, आरोपी की जमानत याचिका खारिज कर दी गई।

सीएम नीतीश से मिला बेटा निशांत तो कौन सी बड़ी खबर हो गई? कहीं कमाने गए थे क्या?

-कांग्रेस नेता बोले- नीतीश कुमार निपट गए और अब उनके बेटे को निपटाना चाहती बीजेपी

पटना (एजेंसी)। सीएम नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार को लेकर बिहार कांग्रेस ने बीजेपी पर हमला बोला। बिहार कांग्रेस के मीडिया विभाग के चेयरमैन राजेश राठौड़ ने शुक्रवार को कहा कि नीतीश कुमार निपट गए और अब उनके बेटे को बीजेपी निपटाना चाहती है। राठौड़ ने अखबारों का हवाला देते हुए कहा कि एक विचित्र खबर छपी है कि बिहार के सीएम नीतीश कुमार का 50 साल बेरोजगार पुत्र जो उन्हीं के घर में रहते हैं, उन्ही की रोटी पर पलते हैं, लेकिन कल अपने पिता से मिले। कहां से आकर मिले? कहीं कमाने गए थे कि चिड़ियाखाना से आकर मिले?

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राठौड़ ने कहा कि मुझे लगता है कि बीजेपी की एक बड़ी साजिश है। पहले तो नीतीश कुमार को निपटा दिया या फिर नीतीश कुमार निपट गए, अब उनके बेटे को जगह मिलने से पहले निपटाना चाहती है। नीतीश कुमार का बेटा निशांत जो 50 साल का बेरोजगार है, वह 20 साल से नीतीश कुमार के घर में रहा है। वह उनसे मिला तो कौन सी बड़ी खबर हो गई? बंद कमरे में बात हुई तो क्या नीतीश कुमार के घर पर कोई दूसरा भी सोता है क्या? जनता सोती है क्या?

राजेश राठौड़ ने कहा कि मुझे लगता है कि बीजेपी की साजिश है कि नीतीश कुमार के साथ-साथ उनके बेटे को भी निपटा दें। उनके बेटे का अखबार में बयान भी छपता है कि 2005 के पहले क्या था? राठौड़ ने कहा कि 2005 के बाद निशांत पिताजी ने बिहार को बेरोजगार बना दिया। सारे चीनी मिल बंद हो गए। आपके पिता को पांच साल के लिए मौका मिलता है तो उसमें भी वो तीन बार सरकार बना लेते हैं। पूरे बिहार को भट्ठा बना दियाज्दलालों, माफिया और कमिश्नखोरों की सरकार बनाकर रख दी है।

राहुल गांधी में कार्यकर्ता जितनी समझ अच्छी बात, कार्यकर्ता जमीन से जुड़ा होता है

-केरल के सीएम विजयन के बयान पर कांग्रेस नेताओं ने जताई आपत्ति

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल सीएम की ओर से राहुल गांधी की समझ पर सवाल उठाने पर कांग्रेस ने कड़ी आपत्ति जताई है। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने कहा कि यह तो अच्छी बात है न कि राहुल जी के अंदर कार्यकर्ता जितनी समझ है, क्योंकि कार्यकर्ता जमीन से जुड़ा होता है। हमें इस बात पर गर्व है। जो लोग हवा में उड़ते हैं वो यह नहीं जानेंगे। बता दें एक दिन पहले केरल सीएम पिनाराई विजयन ने कहा था कि राहुल गांधी एक नेशनल लीडर हैं, फिर भी उनमें कांग्रेस के एक आम लोकल वर्कर जितनी बेसिक जानकारी भी नहीं है। वे अपने अनुभव या गलतियों से भी नहीं सीखते। यह समझना मुशिकल है कि उनका इतना बुरा हाल कैसे हो रहा है। वहीं कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने कहा कि केरल में हम आसानी से जीतेंगे। हमारी उम्मीदें दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही हैं। लोगों का मूड कांग्रेस पार्टी और यूडीएफ के पक्ष में है। आप देख सकते हैं कि केरल का पूरा मूड बदलाव का है, सरकार बदलने का है। हमें चुनाव जीतने का पूरा भरोसा है।

रामनवमी जुलूस पर पथराव, मची अफरा-तफरी, कई घायल, एक दर्जन लोगों पर मामला दर्ज

मुंबई। महाराष्ट्र के अहिल्यनगर जिले के श्रीरामपूर शहर में रामनवमी का जुलूस निकाल रहा था। गुरुवार शाम जुलूस सय्यद बाबा चौक से गुजरा, तभी अचानक पथराव शुरू हो गया। जुलूस में शामिल लोग नाच-गा रहे थे, तभी मस्जिद के पीछे से अज्ञात लोगों ने पत्थर फेंकने शुरू कर दिए। इस पथराव में तीन लोग घायल हो गए। घायलों में से एक की हालत गंभीर थी, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। पथराव होते ही जुलूस में अफरा-तफरी मच गई और कुछ देर के लिए माहौल तनावपूर्ण हो गया। पुलिस ने तुरंत मोर्चा संभाला और भीड़ को वहां से हटाया। लोगों को समझा-बुझाकर शांति बनाए रखने की अपील की। पुलिस ने मस्जिद के मौलाना समेत 10 से 12 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

चंडीगढ़ में दो दिवसीय एयर शो का आगाज, सूर्यकिरण टीम ने दिखाए रोमांचक करतब

-सुरक्षा के कड़े इंतजाम के बीच सुखना लेक आम लोगों के लिए बंद

चंडीगढ़ (एजेंसी)। सुखना लेक पर शुक्रवार से दो दिवसीय एयर शो का भव्य आगाज हुआ, जिसमें भारतीय वायुसेना की प्रसिद्ध सूर्यकिरण एरोबैटिक टीम ने आसमान में शानदार करतब दिखाकर दर्शकों को रोमांचित कर दिया। शो देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे, हालांकि प्रवेश केवल प्री-बुकिंग के आधार पर ही दिया गया।

एयर शो के दौरान हर दिन लगभग 10 हजार दर्शकों के पहुंचने का अनुमान है। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सुखना लेक को आम लोगों के लिए बंद कर दिया गया है। आयोजन स्थल पर कड़े सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं और जांच के बाद ही लोगों को प्रवेश दिया जा रहा है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में चंडीगढ़ के चीफ सेक्रेटरी राजेश प्रसाद भी मौजूद रहे। प्रशासन ने दर्शकों के लिए खुले में बैठने की विशेष व्यवस्था की है ताकि सभी लोग आराम से एयर शो का आनंद ले सकें।

इस एयर शो की खास बात यह है कि इसमें चंडीगढ़ के दो पायलट भी हिस्सा ले रहे हैं। विंग कमांडर तेजेश्वर सिंह सूर्यकिरण टीम का नेतृत्व कर रहे हैं, जबकि विंग कमांडर दिवाकर शर्मा भी टीम का हिस्सा हैं। तेजेश्वर सिंह आर्मी पब्लिक स्कूल, चंडी मंदिर के 2005 बैच के छात्र रह चुके हैं। उनके साथ फ्लाइट लेफ्टिनेंट कमल संधू भी टीम में शामिल हैं।

एयर शो के दौरान राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) की टीम भी तैनात की गई है, जो आसमान में उड़ने वाले पक्षियों पर नजर रख रही है, ताकि विमानों की उड़ान में कोई बाधा न आए। हालांकि सुबह हल्की बूंदाबांदी हुई, लेकिन इसका कार्यक्रम पर कोई असर नहीं पड़ा और तय समय पर एयर शो सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। यह आयोजन शहरवासियों और पर्यटकों के लिए खास आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

बंगाल में बदली भाजपा की रणनीति... ममता सरकार के खिलाफ आज शाह जारी कर सकते हैं चार्जशीट

बड़ी रैलिया के साथ ही डोर-टू-डोर संपर्क अभियान चलाएगी

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के लिए भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने अपनी रणनीति में बड़ा बदलाव कर दिया है। इस बार पार्टी बॉटम-अप (नीचे से ऊपर की ओर) और क्षेत्र-विशिष्ट अभियान पर ध्यान केंद्रित करने में जुटी है। भाजपा का मुख्य लक्ष्य तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सबसे मजबूत गढ़ कोलकाता और उसके आसपास के जिलों की 100 से अधिक सीटों पर जीत पाना है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 28 मार्च को टीएमसी सरकार के खिलाफ एक चार्जशीट जारी करने वाले है। इसमें सत्ताधारी ममता सरकार के कथित कुशासन और भ्रष्टाचार का कच्चा चिट्ठा दिखाया गया है। इसके साथ ही पार्टी एक श्वेत पत्र भी जारी करेगी, जिसमें टीएमसी सरकार की विफलताओं को उजागर करेगी। बात दें कि आगामी दिनों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह की बड़ी रैलियों की योजना बनाई है। 2021 के विपरीत इस बार भाजपा डोर-टू-डोर संपर्क अभियान चलाएगी। लोकल समस्याओं को मुद्दा बना रही है। पिछले चुनाव में भाजपा को केंद्रीय नेताओं को रैलियों पर भरोसा था।

भाजपा की नई योजना के मुताबिक, कोलकाता में कानून-व्यवस्था, प्रशासनिक विफलता और हालिया आरजी कर (आरजी कर) जैसे संवेदनशील मुद्दों को उजागर करना है। वहीं, उत्तर 24 परगना (पानीहाटी) में कचरा डंपिंग जैसे स्थानीय मुद्दों पर ध्यान दिया जाएगा। अलीपुरद्वार में शिक्षा, सड़क और स्वास्थ्य ढांचे की कमियों को मुद्दा बनने की तैयारी है। पार्टी ने हर क्षेत्र के लिए अलग चार्जशीट तैयार की है, इस चार्जशीट को कार्यकर्ताओं द्वारा सीधे जनता तक पहुंचाया जाएगा।

भाजपा ने कोलकाता, हावड़ा, हुगली, दक्षिण और उत्तर 24 परगना के जिलों में 100 से अधिक सीटें जीतने का लक्ष्य रखा है। कोलकाता की 29 सीटें वर्षों से टीएमसी का मजबूत किला रही हैं, जहां ममता के दिग्गज मंत्री और विधायक चुनाव लड़ते हैं। इस चुनौती से निपटने के लिए भाजपा ने इस बार जमीनी नेताओं को तरजीह दी है। भाजपा ने माणिकतला सीट से टीएमसी छोड़कर आए तापस रॉय, भवानीपुर से शुभेंदु अधिकारी को उतारा है।

उत्तर बंगाल में 2021 में भाजपा यहां मजबूत स्थिति में थी। 34 सीटें मिली थीं। इस बार लक्ष्य 54 में से 45 सीटें जीतने का है। पार्टी यहां न्यू नॉर्थ बंगाल का नारा दे रही है और चाय बागान श्रमिकों की समस्याओं को प्रमुखता से उठा रही है। पार्टी माइक्रो-लेवल बूथ मैनेजमेंट पर जोर दे रही है ताकि केंद्र सरकार की योजनाओं की जानकारी हर घर तक पहुंचाई जा सके।

महाराष्ट्र विधानसभा में फर्जी प्रवेश पास बनाने के आरोप में पांच गिरफ्तार, कर्मचारी भी शामिल

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र पुलिस ने विधानसभा सत्र के दौरान फर्जी प्रवेश पास बनाने के आरोप में पांच लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। यह मामला तब सामने आया जब एक शिकायत में अनधिकृत पासों के वितरण का जिक्र किया गया। सत्र के दौरान राज्यमंत्री उदय सामंत ने यह मुद्दा उठाया था। शिकायत के आधार पर पुलिस ने जांच की और इस रैकेट से जुड़े पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बताया जा रहा है कि इनमें से कुछ मंत्रालय से जुड़े कर्मचारी हैं। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान केशव गुंजल (53), गणपत भाऊ जावले (50), नागेश शिवाजी पाटिल (42), मनोज आनंद मोरबाले (40) और स्वप्निल रमेश तायडे (40) के रूप में हुई है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक और भी संदिग्ध इसमें शामिल हैं और उन्हें पकड़ने के प्रयास जारी हैं। इस मामले ने एक अहम विधायी सत्र के दौरान सुरक्षा प्रोटोकॉल के उल्लंघन को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा कर दी हैं। अधिकारियों ने बताया कि जांचकर्ता यह पता लगा रहे हैं कि फर्जी पास कैसे बनाए गए, इस प्रक्रिया को किसने अधिकृत किया और क्या किसी अंदरूनी व्यक्ति के समर्थन से यह जालसाजी संभव हुई।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा में हंगामाः खामेनेई के पोस्टरों पर गरमाया माहौल, विधायकों के बीच धक्का-मुक्की

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर विधानसभा में शुक्रवार को कार्यवाही शुरू होने से पहले ही माहौल तनावपूर्ण हो गया। दरअसल पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के मुद्दे पर नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) और पीडीपी (पीडीपी) के विधायकों ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी विधायक हाथों में खामेनेई के पोस्टर और तस्वीरें लेकर सदन में पहुंचे और उनके समर्थन में नारेबाजी की। इसी बीच कुछ विधायकों के बीच धक्का-मुक्की भी हो गई, जिससे सदन की कार्यवाही वाधित हुई।

प्रदर्शन कर रहे विधायकों का कहना था कि किसी भी देश को दूसरे देश पर हमला करने का अधिकार नहीं है और इस घटना की अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर निंदा होनी चाहिए। नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायक तनवीर सादिक ने कहा कि उनकी पार्टी और जम्मू-कश्मीर सरकार ईरान के साथ खड़ी है। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला पहले भी इस तरह की घटनाओं की निंदा कर चुके हैं। गौरतलब है कि 28 फरवरी को इजराइल द्वारा ईरान पर किए गए हमले में खामेनेई की मौत की खबर सामने आई थी, जिसके बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तनाव की स्थिति बनी हुई है। इसी मुद्दे को लेकर जम्मू-कश्मीर विधानसभा में भी राजनीतिक तापमान बढ़ गया और इसका असर सदन की कार्यवाही पर साफ दिखाई दिया।

कांग्रेस और बीजेपी विधायकों के बीच झड़प

इस बीच, विधानसभा के भीतर एक अलग मुद्दे पर कांग्रेस और बीजेपी विधायकों के बीच तीखी झड़प हो गई। बताया गया कि कांग्रेस विधायक इरफान हाफिज द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ नारेबाजी की जा रही थी। इसके जवाब में बीजेपी विधायक युद्धवीर सेठी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर टिप्पणी की, जिससे विवाद और बढ़ गया। देखते ही देखते बहस ने उग्र रूप ले लिया और दोनों पक्षों के विधायकों के बीच धक्का-मुक्की शुरू हो गई। स्थिति को बिगड़ता देख अन्य सदस्यों ने बीच-बचाव कर मामला शांत कराने की कोशिश की। हालांकि, हंगामा बढ़ने के कारण सदन की कार्यवाही कुछ समय के लिए स्थगित करनी पड़ी।

छोटी बच्ची ने भेंट किया खिलौना बुलडोजर हंसी नहीं रोक सके सीएम योगी

-बच्ची के साथ खिंचवाई तस्वीर, खूब पढ़ने की दी नसीहत, गौरखपुर दौरे पर हैं सीएम

गोरखपुर (एजेंसी)। यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ गोरखपुर दौरे पर हैं। शुक्रवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर में भ्रमण के दौरान उन्हें कानपुर से आई एक छोटी बच्ची ने खिलौना बुलडोजर भेंट किया। ये नजारा देखकर वहां मौजूद सभी हंसने लगे। सीएम योगी भी अपनी हंसी नहीं रोक पाए। उन्होंने पहले तो बच्ची को पास बुलाया, फोटो खिंचवाई और फिर उसे खूब पढ़ाई करने की नसीहत दी। बाद में सीएम ने बच्ची को उसका खिलौना वापस कर दिया।

फिलहाल, इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। खुद सीएम योगी के ऑफिस की और से इसको शेयर किया है। इसमें लिखा है। यह नन्हा सा उपहार बड़े विश्वास का प्रतीक है, यह भरोसे की मासूम अभिव्यक्ति है...आज सुबह गोरखनाथ मंदिर में भ्रमण के दौरान सीएम को कानपुर की पांच साल की यशस्विनी ने बुलडोजर खिलौना भेंट किया। वीडियो को मिनटों में हजारों लोग ने देखा। बता दें इससे पहले सीएम योगी ने शुक्रवार को राम नवमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान राम भारतीय चेतना के आदर्श का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने एक्स पर कहा कि राम करुणा और कर्तव्य के बीच एक अद्भुत संतुलन का प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि धर्म, सत्य और मर्यादा के सर्वोच्च प्रतीक भगवान राम की जयंती पर सभी भक्तों और प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।

बता दें गुरुवार को गोरखपुर में सीएम योगी ने अधिकारियों को निर्देश दिया था कि वे अवैध जमीन पर कब्जा करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें और चेतावनी दी कि गरीबों को परेशान करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। सीएम ने जनता दर्शन में 200 लोगों से मुलाकात की, उनके आवेदन लिए और उन्हें भरोसा दिलाया कि सरकार उनकी शिकायतों को दूर करने के लिए प्रभावी कार्रवाई करेगी। योगी ने संबंधित प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों को आवेदन भेजे, और उन्हें निर्देश दिया कि वे समय पर और संतोषजनक ढंग से उनका निपटारा करें।

अमेरिका में फिर बढ़ने लगे कोरोना के मामले... भारत में क्या स्थिति

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। अमेरिका में फिर कोरोना के मामलों में अचानक बढ़ोतरी ने चिंता पैदा कर दी है। नई रिपोर्ट्स के मुताबिक, वायरस का एक नया बीए.3.2 वेरिएंट सामने आया है। सीडीसी के अनुसार, 11 फरवरी तक बीए.3.2 वेरिएंट 23 देशों में मिला है। एक्सपर्ट का कहना है कि यह वेरिएंट इम्यून सिस्टम को आंशिक रूप से चकमा देने की क्षमता रखता है, जिससे दोबारा इंफेक्शन का खतरा बढ़ सकता है। हालांकि डॉक्टरों का मानना है कि मौजूदा स्थिति पहले जैसी गंभीर नहीं है। पिछले कुछ सालों में बड़ी संख्या में लोग वैक्सीन ले चुके हैं या इंफेक्शन से गुजर चुके हैं, जिससे लोगों में हाइब्रिड इम्यूनिटी विकसित हो चुकी है। इसकारण भले ही इंफेक्शन बढ़े, लेकिन गंभीर मामलों की संभावना पहले की तुलना में कम हो सकती है।

अब सवाल उठता है कि क्या इसका असर भारत पर भी पड़ सकता है? एक्सपर्ट्स के मुताबिक, कोरोना वायरस अब पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है, बल्कि यह एक एंडेमिक वायरस बन चुका है, यानी समय-समय पर इसके केस बढ़ते-घटते रहने वाले है। हालांकि, एक्सपर्ट का कहना है कि सिर्फ नए वेरिएंट के आने का मतलब यह नहीं है कि फिर से महामारी जैसी स्थिति बनेगी।

जानकार डॉक्टर ने बताया कि कोरोना वायरस अब एक एंडेमिक बीमारी बन चुका है, यानी यह पूरी तरह खत्म नहीं होगा बल्कि समय-समय पर नए रूप में आता रहेगा। डॉक्टर का कहना है कि नए वेरिएंट की वजह से इंफेक्शन के मामले बढ़ सकते हैं। लेकिन ज्यादातर मामलों में लक्षण हल्के से मध्यम रह सकते हैं, जैसे बुखार, खांसी और थकान। कुछ लोगों को ज्यादा सावधान रहने की जरूरत है।

एक्सपर्ट का मानना है कि घबराने की जरूरत नहीं है, लेकिन सतर्क रहना जरूरी है। हेल्थ सिस्टम अब पहले से ज्यादा तैयार है और टेस्टिंग, इलाज और वैक्सीनेशन के बेहतर इंतजाम मौजूद हैं। इसके बावजूद, निगरानी बनाए रखना बेहद जरूरी है, ताकि किसी भी संभावित खतरे को समय रहते रोका जा सके।

मलयालम को ताकतवर बनाने का श्रेय लेने की होड़

उमेश चतुर्वेदी

भाषायी अस्मिता के लिहाज से देखें तो केरल का यह कदम बेहद क्रांतिकारी और भारतीय भाषाओं के हित में है। लेकिन कर्नाटक की आपत्तियों को भी अनदेखा नहीं किया जाना चाहिए। यहां ध्यान दिया जाना चाहिए कि केरल के कासरगोड जिले में मलयालम की बजाय कन्नड़ भाषी लोग ज्यादा है।

केरलम् में विधानसभा चुनावों के बीच मलयालम को राज्य की आधिकारिक भाषा का दर्जा मिलने का श्रेय लेने का सियासी खेल बढ़ता जा रहा है। राज्य का नाम केरलम् किया जाना और इसके हफ्तेभर बाद ही मलयालम को आधिकारिक भाषा की मंजूरी मिलना कुछ लोगों की नजर में भले ही संयोग हो, लेकिन ऐसा नहीं है। राज्य में विधानसभा चुनाव की रणभेरी बजने की औपचारिकता भर बाकी है। इस संदर्भ में राजनीतिक दलों द्वारा इन दोनों कदमों का श्रेय लेने की होड़ मचना स्वाभाविक है। लेकिन भाषा विधेयक को लेकर केरल की सीमाओं के बाहर सवाल भी उठने शुरू हो गए हैं। इसमें दो राय नहीं कि गैर हिंदीभाषी इलाके अपनी भाषाओं और सांस्कृतिक परंपराओं को अपनी अस्मिता से जोड़कर देखते हैं। हिंदीभाषी राज्यों में अपनी हिंदी या स्थानीय भाषाओं को लेकर ऐसी सोच नहीं दिखती।

मलयालम को केरलम् की आधिकारिक भाषा बनाने की मांग बहुत पुरानी है। इस दिशा में पहला प्रयास करीब दस साल पहले कांग्रेस की अगुआई वाली संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा यानी यूडीएफ की सरकार ने किया था। 2015 में ओमन चांडी सरकार ने इस विधेयक को पारित कराया था। लेकिन तब इस विधेयक पर पड़ोसी कर्नाटक सरकार ने कड़ा एतराज जताया था। जब इस विधेयक को मंजूरी के लिए राष्ट्रपति के पास भेजा गया तो राष्ट्रपति ने इसे 1963 के ऑफिशियल भाषा एक्ट के नियमों को हटाकर जमा करने के सुझाव के साथ वापस भेज दिया था। फिर दस साल बाद मौजूदा वाममोर्चा की सरकार ने इसे नए रूप में पारित किया। इस बार भी कर्नाटक इस कानून का विरोध कर रहा है।

अब तक केरल में अंग्रेजी के साथ ही मलयालम को आधिकारिक भाषा के तौर पर प्रतिष्ठा रही है। लेकिन नए कानून के तहत सरकारी और सरकारी अनुदान प्राप्त स्कूलों में कक्षा 10 तक मलयालम को पहली भाषा के तौर पर अनिवार्य रूप से पढ़ाना जरूरी होगा। इसके साथ ही अदालती फैसलों और कार्यवाही भी अनिवार्य तौर पर मलयालम भाषा में अनूदित की जाएंगी। अब से राज्य विधानसभा में सभी बिल और अध्यादेश मलयालम में पेश किए जाएंगे। इसके साथ ही, अंग्रेजी में प्रकाशित महत्वपूर्ण केंद्रीय और राज्य कानूनों का भी मलयालम में अनुवाद होगा। नए कानून के तहत सूचना तकनीकी विभाग को मलयालम के प्रभावी इस्तेमाल के लिए ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर और इंस्ट्रूमेंट विकसित करने की जिम्मेदारी दी जा रही है। राज्य सचिवालय में मौजूदा पर्सनल एंड एडमिनिस्ट्रेटिव रिफॉर्म्स (ऑफिशियल

लैंग्वेज) विभाग का नाम बदलकर मलयालम भाषा विकास विभाग किया जा राह है। इन कदमों के साथ ही राज्य में मलयालम भाषा विकास निदेशालय भी गठित किया जाएगा। भाषायी अस्मिता के लिहाज से देखें तो केरल का यह कदम बेहद क्रांतिकारी और भारतीय भाषाओं के हित में है। लेकिन कर्नाटक की आपत्तियों को भी अनदेखा नहीं किया जाना चाहिए। यहां ध्यान दिया जाना चाहिए कि केरल के कासरगोड जिले में मलयालम की बजाय कन्नड़ भाषी लोग ज्यादा है। राज्य मे इसी तरह तमिल, तुलु, गुजराती और कोंकणीभाषी लोग भी हैं। उनकी अपनी भाषाओं में पढ़ाई वाले स्कूल भी हैं। हालांकि मलयालम भाषा कानून का विरोध तमिल मूल के लोगों ने तो नहीं किया है, लेकिन कर्नाटक के तर्कों में उनकी भी बातें एक तरह शामिल हैं।

कर्नाटक सरकार का तर्क है कि यह कानून केरल में रहने वाले कन्नड़ भाषी अल्पसंख्यकों की भाषाई अस्मिता के लिए खतरा है। यह कानून, कर्नाटक भाषियों के अधिकारों का उल्लंघन है। कर्नाटक सीमा क्षेत्र विकास प्राधिकरण का तर्क है है कि कासरगोड और केरल के दूसरे कन्नड़ भाषी क्षेत्रों में भाषाई अल्पसंख्यक छात्र अभी स्कूलों में कन्नड़ को पहली भाषा के तौर पर पढ़ते हैं। केरल में स्कूलों में हिंदी भी पढ़ाई जाती रही है। इसलिए माना जाता है कि केरल में हिंदीविरोधी माहौल नहीं है। लेकिन दिलचस्प यह है कि केरल के विद्वान भी इस कानून के पक्ष में तर्क देते वक्त केंद्र सरकार पर केरल में हिंदी थोपने का आरोप लगाने से नहीं हिचक रहे। दिलचस्प यह है कि ऐसा ही आरोप कर्नाटक की ओर से लगाया जा रहा है, बस वहां हिंदी की जगह मलयालम को थोपे जाने की बात हो रही है।

केरल सरकार ने हालांकि सफाई दी है कि जिनकी मातृभाषा तमिल, कन्नड़, तुलु या कोंकणी है, उनके लिए भी कानून में प्रावधान हैं। इस कानून में इस बात की चर्चा है कि राज्य के भाषायी अल्पसंख्यक अपनी भाषा में राज्य सचिवालय, विभागों और स्थानीय सरकारी कार्यालयों से पत्राचार कर सकेंगे। इसके साथ ही, मलयालम के अलावा दूसरी मातृभाषा वाले छात्रों को नेशनल एजुकेशन प्रोग्राम में शामिल भाषाओं में पढ़ाई कर सकेंगे। इसी तरह दूसरे राज्यों या विदेश से आने वाले छात्रों को नौंवी, दसवीं और हायर सेकेंडरी स्तर पर मलयालम की परीक्षा देने से छूट मिलेगी।

मलयालम को आधिकारिक भाषा बनाने का स्थानीय नागरिक स्वागत तो कर रहे हैं, लेकिन कुछ लोगों का मानना है कि इस कानून के नाम से ही अलगाववादी और वर्चस्ववादी झलक मिलती है।, केरल के बौद्धिकों के एक वर्ग का कहना है कि बेहतर होता है कि इस कानून का नाम 'मलयालम भाषा एक्ट 2025' की जगह 'केरल स्टेट लैंग्वेज एक्ट 2025' होता। इससे समावेशी संदेश जाता। यहां के बौद्धिकों का तर्क है कि इस विधेयक में मलयालम की जगह बेहतर होता कि राज्य में प्रयोग में लाई जाने वाली तमिल,कन्नड़, कोंकणी, तुलु और गुजराती का भी जिक्र होता। केरल में जंगलों और दूरदराज के इलाकों में रहने वाले लोगों की अपनी भाषाएं भी हैं। वे मलयालम का इस्तेमाल कम करते हैं। इसलिए एक वर्ग का मानना है कि उनकी भाषाओं की अस्मिता की रक्षा का बोध भी इस कानून में होना चाहिए था।

बेशक केरल के विधानसभा चुनाव में मलयालम को आधिकारिक दर्जा मिलना बड़ा मुद्दा होगा। राज्य की राजनीति में प्रभावी दखल देने की ताक में बैठी भाजपा, कांग्रेस और वाममोर्चा, सभी इसका श्रेय लेने की कोशिश करेंगे। लेकिन यहां के बौद्धिक समाज की चिंता है कि इस विधेयक से राज्य में एक भाषा के वर्चस्व का भाव पैदा हो सकता है। ऐसा लगता है कि जिन लोगों की भाषा मलयालम नहीं है, उनकी प्रशासनिक और शासन से जुड़ी चिंताओं को अंग्रेजी के जरिए हल किया जा सकता है। लेकिन केरल के बौद्धिक मानते हैं कि राज्य के बहुसंख्यक समुदाय की भाषा से इतर वाले लोगों की समस्याओं का समाधान अंग्रेजी के जरिए नहीं हो सकते। इसलिए भाषा विकास विभाग और निदेशालय को सिर्फ. मलयालम भाषा तक सीमित नहीं रहना होगा, बल्कि केरल की सभी भाषाओं के लिए होना होगा। केरल में मांग उठ रही है कि वहां के सिविल सर्विस सुधार विभाग को मलयालम भाषा विकास विभाग के रूप में बदल दिया जाना चाहिए। कानून में इस विभाग के पुनर्गठन और मलयालम भाषा व कास निदेशालय बनाने का प्रावधान है। यहां के भाषाशास्त्री इसे स्वागत योग्य कदम बता तो रहे हैं। लेकिन, इसमें मलयालम के साथ दूसरी भाषा समूहों का भी प्रतिनिधित्व देने का सुझाव दे रहे हैं। इसमें दो राय नहीं कि भाषा का काम जोड़ना है, तोड़ना नहीं। शायद यही वजह है कि मलयालम भाषा कानून के स्वागत के साथ ही दूसरी भाषाओं को तवज्जो देने की मांग हो रही है।

मातृभाषा से इतर समूहों से आने वाले लोग किसी भी भाषा को अवसरों और जरूरत के लिहाज से सीखते हैं। सीखने की इस प्रक्रिया में मजबूरी की बजाय उत्साह जुड़ जाता है तो भाषाएं समृद्ध होती हैं और वे सौहार्द का प्रतीक बनती हैं। आधिकारिक भाषा बनने के बाद मलयालम भी उसी तरह उम्मीद की भाषा बने, शायद यही केरल के बौद्धिक चाहते हैं। मलयालमभाषियों की इस सोच से हिंदीभाषी विद्वानों, राजनेताओं और प्रशासनिक तंत्र को प्रेरित होना चाहिए।

संपादकीय

मेडिकल छात्रा का मानसिक शोषण

विभिन्न क्षेत्रों में अच्छे भविष्य की आस रखने वाले छात्रों का कई बार उनके संस्थानों में शोषण किया जाता है जिससे ग्रसित होकर अक्सर छात्र छात्राएं ऐसा कदम उठा लेते हैं जो उनके परिवारों को जिंदगी भर एक गहरा जख्म दे जाते हैं। उत्तराखंड देहरादून के एक नामी मेडिकल कॉलेज की छात्रा का प्रकरण भी ऐसे ही मानसिक शोषण से जुड़ा हुआ है जिसमें मेडिकल की एक प्रतिभावान छात्रा को इस संस्थान की विभाग अध्यक्ष द्वारा प्रताड़ित करने का मामला देखने को मिला है। विभाग अध्यक्ष महिला चिकित्सक द्वारा पदभार संभालने के बाद मेडिकल की छात्रा को लगातार प्रताड़ित करना शुरू किया गया और आखिरकार होनहार छात्रा इस प्रताना को झेल नहीं पाई और उसने अपनी ही कार में अपना जीवन समाप्त कर लिया। यह घटना एक शिक्षित समाज में बेहद शर्मनाक है खासतौर से शिक्षा के क्षेत्र में जहां राष्ट्र के उत्थान के लिए होनहार भविष्य तैयार किए जाते हो, वहां ऐसे प्रतिभावान छात्रों के भविष्य को कुचलने का काम कुछ मानसिक विकृति के लोग भी करते हैं। शिक्षक की भूमिका अपने विद्यार्थियों को भविष्य के लिए संवारने की होती है लेकिन अक्सर कुछ शिक्षक विशेष छात्रों के खिलाफ ऐसी मनोवृति बना लेते हैं जिससे छात्र अवसाद में चले जाते हैं। एक शिक्षक के लिए सभी छात्रों का दर्जा बराबर होना चाहिए लेकिन जब शिक्षक पक्षपात पर उतारू हो जाए और दूसरे शिक्षक के कुछ खास छात्रों से लगाव रखने के कारण ऐसे छात्रों से रंजिश रखने लगे तो फिर छात्रों को अपनी राह तलाश में ही मुश्किल हो जाती है। प्रकरण में पुलिस ने आपराधिक मुकदमा दर्ज किया है लेकिन यहां संस्थान की भूमिका को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं जिसने इस प्रकरण में कार्रवाई करने के बजाय मेडिकल छात्रा को ही मानसिक अवसाद का शिकार बताया है और कहा है कि उक्त छात्रा पहले भी दो बार आत्महत्या का प्रयास कर चुकी है। अब सवाल यह उठता है कि आखिर एक संस्थान में कोई छात्र या छात्रा मानसिक रूप से परेशान है तो संस्थान को अपनी व्यवस्था में सुधार करना चाहिए ना की किसी खास शिक्षक का पक्ष लेना चाहिए। उक्त छात्रा के मामले में एक होनहार युवा राष्ट्र की सेवा में आने से पहले ही अपना जीवन छोड़ चुका है जिसके लिए संस्थाओं को भी निश्चित तौर पर जिम्मेदार माना जाना चाहिए। यदि इसी प्रकार के हालात शैक्षिक संस्थानों में प्रकाश में आते रहेंगे तो फिर अभिभावकों के लिए भी अपने बच्चों को घर से दूर भेजना किसी प्रताड़ना से कम नहीं होगा। देहरादून पुलिस से उम्मीद की जाती है कि वह इस प्रकरण में गंभीरता से कार्रवाई करते हुए दूध का दूध और पानी का पानी करें तथा छात्रा द्वारा की गई वॉयस रिकॉर्डिंग एवं उसके साथ पूर्व में किए गए प्रताड़ित व्यवहार की जांच गंभीरता से करें। यूं ही एक होनहार छात्रा के साथ हुए जुल्म को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता और जो लोग भी इस कृत्य के पीछे पूर्वाग्रह से ग्रसित होकर लगे हुए थे उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए ताकि भविष्य में ऐसे लोग होनहारों का जीवन बर्बाद ना कर पाएं।

समाज के लिए खतरा हैं धर्म के चोले में पनपते कालनेमी

मनोज कुमार अग्रवाल

यह कैसी बिडम्बना है कि इक्कीसवीं सदी में पहुंच कर भी भारतीय समाज का एक बड़ा हिस्सा आज भी टोना टोटका डायन भूत प्रेत और बाबाओं के चमत्कार पर भरोसा रखता है इतना ही नहीं ये संत के चोले में छिपे शैतान न सिर्फ अरबों करोड़ों की संपत्ति इकठ्ठा कर रहे हैं वरन हर तरह की पोपलीला भी टकर रहे हैं धर्म की आड़ में आर्थिक दैहिक शोषण बलात्कार, हत्या, ब्लैकमेलिंग करने जैसे गंभीर अपराधों को अंजाम देने वाले ढोंगी बाबाओं की सूची में अब एक नया नाम नासिक के अशोक खरात का जुड़ गया है। अशोक खरात की कहानी भी राम रहीम और आसाराम जैसे लोगों से अलग नहीं है। धर्म के नाम पर अपनी निजी जीवन की परेशानियों के निराकरण के लिए बाबा पर भरोसा कर आए लोगों को वाकजाल में फंसाना, उनसे धन ऐंठना और महिलाओं का यौन शोषण करना धंधा बन गया है । अब सामने आया है कि लम्बे समय से ये अपराध होते रहें और ढोंगी व्यक्ति खुद को भगवान बताकर चमत्कार दिखाता रहे तो यह न स्वस्थ समाज की पहचान है, न स्वस्थ राजनीति और प्रशासन की। क्योंकि ताकतवर लोगों के प्रोत्साहन के बिना ठगी और अपराध की ऐसी दुकानें चल ही नहीं सकतीं। हो सकता है कि अभी पुलिस हिरासत में आए इस अपराधी को कुछ वक्त तक सलाखों के पीछे ही रहना पड़े, लेकिन इस समय ज्यादा चिंता की बात यह है कि समाज जिस तरह चमत्कारों, अंधविश्वासों और अतार्किक प्रथाओं की सलाखों में कैद है, उससे वह कब आजाद हो पाएगा।

कितनी बड़ी विडंबना है कि जिस महाराष्ट्र में संत तुकाराम संत नामदेव महात्मा ज्योतिबा फुले, सावित्रीबाई फुले, जैसे महापुरुषों की कतार दी, वहां अशोक खरात लोगों को अंधविश्वास की आग फैलाने का मौका मिला। नरेन्द्र दाभोलकर जैसे लोग अंधश्रद्धा के खिलाफ आवाज उठाएं तो उनकी हत्या कर दी जाए और अशोक खरात जैसे लोग अंधश्रद्धा के बूते खुद को गॉडमैन कहलवाएं। यह बेहद हैरत की बात है क्योंकि सरकारें भी ऐसी बातों पर तभी एक्शन लेती है जब बात बहुत आगे बढ़ जाती है। यूं तो देश का राजनीतिक दल इस किस्म के बाबाओं से खुद को दूर रखा है, हर दल में ऐसे नेता मिल जाएंगे, जो ढोंगी चोगों को बढ़ावा देते रहे हैं। लेकिन पिछले कुछ सालों में समस्या कुछ ज्यादा बढ़ चुकी है, यह मानने में कोई संकोच नहीं होना चाहिए।

आज जब राष्ट्रपति के गरिमामयी पद पर आसीन माननीय किसी संत के स्थान पर आकर कथित एकांतिक वार्तालाप के लिए समय दे रहीं हैं ऐसे समय में समाज संत और कालनेमी संत की पहचान कैसे करे? विचारणीय बात यह है कि भगवदभक्ति में लगे लोगों को भौतिक चकाचौंध की दरकार क्यों होनी चाहिए। लेकिन इस सवाल की परतें खोलें तो समझ आता है कि ऐसे लोगों को न भगवदभक्ति से मतलब है, न धर्म की रक्षा से, इन्हें तो अपने उन राजनैतिक और व्यापारी आकाओं की सेवा करनी है, जिनके काले धन को धर्म के धंधे से ये सफेद करते हैं। अशोक खरात का मामला भी कुछ ऐसा ही लगता है।

ताजा जानकारी के अनुसार नासिक में कथित ह्यफर्जी बाबाह्ण अशोक खरात के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए नरबलि और अंधश्रद्धा से जुड़े गंभीर आरोपों में मामला दर्ज किया है. नासिक पुलिस ने खरात के खिलाफ अब तक कुल 8 एफआईआर दर्ज की हैं, जिससे इस मामले की गंभीरता और बढ़ गई है. पुलिस ने आरोपी की लाइसेंसी रिवॉल्वर भी जब्त कर ली है और उसका लाइसेंस रद्द करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है. पुलिस के मुताबिक, ताजा एफआईआर उस व्यक्ति की शिकायत पर दर्ज की गई है, जिसके खिलाफ पहले अशोक खरात ने खुद मामला दर्ज कराया था. अब उसी व्यक्ति ने खरात पर संगीन आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई है. शिकायत में दावा किया गया है कि 2018 से 2025 के बीच आरोपी ने जान से मारने की धमकी देकर शिकायतकर्ता से भारी आर्थिक ठगी की आरोप है कि फरवरी 2020 से मार्च 2026 के बीच आरोपी ने एक महिला को अपने ऑफिस बुलाया. तांबे की बोतल में 'मंत्रित पानी' पिलाया गया. इसके बाद धार्मिक अनुष्ठान के नाम पर बार-बार शारीरिक संबंध बनाए. जब पीड़िता गर्भवती हुई तो बाद में गर्भपात के लिए दबाव डाला गया. मना करने पर जान और बच्चे को खतरे की धमकी दी गई. इस प्राथमिक रिपोर्ट में आरोप है कि 'दिव्य औषधि' के नाम पर महिला का मानसिक और शारीरिक शोषण किया गया.

स्वयंभू चमत्कारी बाबा यह शख्स अब महिलाओं के साथ शारीरिक शोषण, ब्लैकमेलिंग और करोड़ों की बेनामी संपत्ति बनाने के आरोपों में घिरा हुआ है। दरअसल 29 दिसंबर 2025 को अशोक खरात खुद वावी पुलिस स्टेशन पहुंचा और उसने शिकायत दर्ज कराई कि कुछ लोग उसके आपत्तिजनक फोटो और वीडियो के जरिए उसे ब्लैकमेल कर रहे हैं। शुरूआत में मामला ब्लैकमेलिंग का लगा, लेकिन जब पुलिस ने जांच शुरू की तो मोबाइल डेटा और साइबर जांच में कोई ठोस सबूत नहीं मिला। जिन लोगों पर आरोप लगाए गए थे, उन्हें भी अदालत से राहत मिल गई। यहीं से पुलिस को शक हुआ कि मामला कुछ और ही है। करीब डेढ़ महीने बाद 18 फरवरी 2026 को शिर्डी से एक और शिकायत सामने आई। एक महिला ने आरोप लगाया कि उसे एआई से तैयार अश्लील फोटो भेजकर धमकाया गया। इसी दौरान एक अहम गवाह सामने आया, जिसने पुलिस को कुछ ऐसे वीडियो दिखाए जिनमें कई महिलाओं के साथ अशोक खरात की आपत्तिजनक हरकतें नजर आई। आरोप है कि वह महिलाओं को धार्मिक झांसा देकर अपने जाल में फंसाता था और फिर उनका शोषण करता था। गवाह पहले डरा हुआ था, लेकिन पुलिस की सुरक्षा मिलने के बाद उसने ये सबूत सौंप दिए। मामला आगे बढ़ा तो 10 मार्च 2026 को अशोक खरात के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी किया गया और एयरपोर्ट पर उसे रोक दिया गया। फिर फड़नवीस सरकार ने 13 मार्च को एसआईटी गठित की और लगातार नए खुलासे सामने आने लगे। 17 मार्च को सरकारवाड़ा पुलिस स्टेशन में एक महिला ने बताया कि अशोक खरात ने खुद को दैवी शक्तियों वाला बताकर उसे अनुष्ठान के नाम पर अपने ऑफिस बुलाया। वहां उसे नशीला पदार्थ देकर बेहोश किया गया और उसके साथ कई बार दुष्कर्म किया गया। इस शिकायत के बाद पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद उसके ठिकानों पर छापेमारी की गई, जहां से कई अहम सबूत मिले। आरोपी के पास से लाखों रुपये नकद, लैपटॉप, डिजिटल रिकॉर्डिंग डिवाइस और हथियार तक बरामद किए गए हैं।

जलवायु परिवर्तनः भविष्य नहीं, वर्तमान का महाविनाशकारी संकट

ललित गर्ग

आज मानव सभ्यता जिस सबसे बड़े संकट के सामने खड़ी है, वह युद्ध, महामारी या आर्थिक मंदी नहीं, बल्कि जलवायु परिवर्तन है। दुनिया आज जलवायु संकट के ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां हर नया आंकड़ा खतरे की घंटी बनकर सामने आ रहा है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन की ताजा रिपोर्ट स्पष्ट करती है कि 2015-2025 का दशक अब तक का सबसे गर्म दौर रहा है। यह केवल एक सांख्यिकीय तथ्य नहीं, बल्कि पृथ्वी के बदलते स्वभाव का गंभीर संकेत है। रिपोर्ट बताती है कि ग्रीनहाउस गैसों का स्तर रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच चुका है और पृथ्वी का एनर्जी इम्बैलेंस लगातार बढ़ रहा है। महासागर, जो जलवायु संतुलन के सबसे बड़े नियंत्रक माने जाते हैं, अब 90 प्रतिशत से अधिक अतिरिक्त गर्मी सोख रहे हैं। इसका सीधा अर्थ है कि पृथ्वी का तापमान केवल हवा में ही नहीं, जल और भूमि के भीतर भी बढ़ रहा है। जलवायु परिवर्तन अब धीरे-धीरे आने वाली समस्या नहीं रही, बल्कि यह वर्तमान का संकट बन चुका है। दुनिया के अनेक हिस्सों में असामान्य गर्मी, बाढ़, सूखा, चक्रवात और जंगल की आग जैसी घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं। प्रति का संतुलन बिगड़ रहा है और मौसम का मिजाज अनिश्चित होता जा रहा है। कहीं अत्यधिक वर्षा से बाढ़ आ रही है तो कहीं महीनों तक बारिश नहीं हो रही। यह असंतुलन सीधे-सीधे मानव जीवन, कृषि, जल संसाधनों और अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर रहा है। इस बदलते मौसम ने सबसे ज्यादा मनुष्य के स्वास्थ्य पर हमला किया है।

भारत के संदर्भ में यह संकट और भी गंभीर रूप लेता जा रहा है। पिछले कुछ वर्षों में भारत के अनेक शहरों में तापमान 48 से 50 डिग्री तक पहुंच गया, जबकि पहले 45 डिग्री को ही अत्यधिक गर्मी माना जाता था। अब असामान्य गर्मी ने फरवरी और मार्च जैसे महीनों को भी झुलसाना शुरू कर दिया है। हीटवेव की आवृत्ति और तीव्रता दोनों बढ़ रही हैं। इसका असर केवल स्वास्थ्य पर नहीं, बल्कि बिजली, पानी, खेती, श्रम, स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था पर भी पड़ रहा है। बढ़ती गर्मी ने केवल मानव जीवन ही नहीं, बल्कि वन्यजीव, पेड़-पौधे और सम्पूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र को भी संकट में डाल दिया है। जलवायु परिवर्तन के पीछे सबसे बड़ा कारण मानव का विकास मॉडल है। कोयला, तेल और गैस जैसे जीवाश्म ईंधनों का अत्यधिक उपयोग, वनों की कटाई, अनियोजित शहरीकरण, औद्योगीकरण और संसाधनों का अंधाधुंध दोहन पृथ्वी को लगातार गर्म कर रहा है। आज वैश्विक तापमान लगभग एक लाख 25 हजार वर्षों के उच्चतम स्तर के आसपास पहुंच चुका है। यह स्थिति बताती है कि समस्या प्रकृति में नहीं, बल्कि मानव की जीवनशैली और विकास की दिशा में है।

वर्तमान वैश्विक परिस्थितियां इस संकट को और अधिक खतरनाक बना रही हैं। दुनिया के अनेक हिस्सों में युद्ध की स्थितियां बनी हुई हैं। युद्ध केवल मानव जीवन और अर्थव्यवस्था को ही नष्ट नहीं करते, बल्कि पर्यावरण को भी गहरा नुकसान पहुंचाते हैं। युद्ध में इस्तेमाल होने वाले विस्फोटक, रसायन, धातु, ईंधन और आग से वातावरण में भारी मात्रा में जहरीली गैसें फैलती हैं। तेल भंडारों में आग, रासायनिक संयंत्रों का नष्ट होना और सैन्य गतिविधियां वातावरण में कार्बन उत्सर्जन को कई गुना बढ़ा देती हैं। इस प्रकार युद्ध और जलवायु परिवर्तन मिलकर पृथ्वी को दोहरे संकट की ओर धकेल रहे हैं। भारत सहित दुनिया के लगभग 75 प्रतिशत जिले किसी न किसी जलवायु जोखिम के दायरे में आ चुके हैं। हिमालय के ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं, जिससे गंगा, ब्रह्मपुत्र और सिंधु जैसी नदियों के भविष्य पर प्रश्नचिह्न लग रहा है। दूसरी ओर समुद्र का जलस्तर बढ़ने से मुंबई, कोलकाता और चेन्नई जैसे तटीय शहरों पर खतरा मंडरा रहा है। यदि समुद्र स्तर इसी गति से बढ़ता रहा तो आने वाले दशकों में तटीय आबादी का बड़े पैमाने पर विस्थापन हो सकता है। यह केवल पर्यावरण संकट नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक संकट भी बन सकता है।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए यह स्पष्ट है कि यदि ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में तेजी से कटौती नहीं की गई, तो तापमान के नए-नए रिकॉर्ड टूटते रहेंगे और पृथ्वी रहने योग्य स्थान कम होती जाएगी। जल संकट, खाद्य संकट, स्वास्थ्य संकट और प्रवासन जैसी समस्याएं बढ़ेंगी। दुनिया के अनेक वैज्ञानिक अब चेतावनी दे रहे हैं कि यदि तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित नहीं किया गया, तो पृथ्वी का पारिस्थितिक संतुलन गंभीर रूप से बिगड़ सकता है। लेकिन इस संकट में ही अवसर भी छिपा हुआ है। यह समय विकास मॉडल को बदलने का है। ऊर्जा के क्षेत्र में नवीकरणीय ऊर्जा, जैसे सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा और जल ऊर्जा को बढ़ावा देना होगा। शहरों को कंक्रीट के जंगल बनाने के बजाय हरित शहर बनाना होगा। जल प्रबंधन को जन आंदोलन बनाना होगा। वर्षा जल संचयन, जल पुनर्चक्रण और नदियों के संरक्षण पर गंभीरता से काम करना होगा। कृषि को जलवायु अनुकूल बनाना होगा, कम पानी वाली फसलों और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देना होगा। साथ ही जिला स्तर पर हीट एक्शन प्लान, जल संरक्षण योजना, वृक्षारोपण अभियान और स्थानीय पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम लागू करने होंगे। जलवायु परिवर्तन से लड़ाई केवल सरकारें नहीं जीत सकतीं, इसके लिए समाज, उद्योग, वैज्ञानिक और आम नागरिक सभी को मिलकर काम करना होगा।

दुनिया की महाशक्तियों के लिए यह समय सबसे बड़ी परीक्षा का समय है। यदि वे केवल आर्थिक विकास और सैन्य शक्ति की दौड़ में ही उलझी रहीं और पृथ्वी के भविष्य की चिंता नहीं की, तो आने वाली पीढ़ियां उन्हें कभी माफ नहीं करेंगी। उन्हें यह समझना होगा कि पृथ्वी बचेगी तो अर्थव्यवस्था भी बचेगी, मानव सभ्यता भी बचेगी और विकास भी बचेगा। यदि पृथ्वी ही तपती और असंतुलित हो गई, तो सारी प्रगति बेकार हो जाएगी। आज आवश्यकता है कि दुनिया की महाशक्तियां कार्बन उत्सर्जन कम करने के लिए कठोर और बाध्यकारी नीतियां बनाएं, जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम करें, वनों की कटाई रोकें और हरित प्रौद्योगिकी को बढ़ावा दें। अन्यथा वह दिन दूर नहीं जब पृथ्वी का तापमान इतना बढ़ जाएगा कि अनेक क्षेत्र रहने योग्य नहीं रहेंगे। निश्चित तौर पर जलवायु परिवर्तन अब भविष्य की चुनौती नहीं, वर्तमान का संकट है। यदि आज निर्णायक कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाली पीढ़ियों को एक असंतुलित और तपती हुई पृथ्वी विरासत में मिलेगी। यह तपती हुई पृथ्वी मानव जीवन के लिए विनाश का कारण भी बन सकती है। लेकिन यदि दुनिया समय रहते चेत गई, तो यही संकट एक नए, संतुलित और टिकाऊ विकास मॉडल की शुरूआत भी बन सकता है। पृथ्वी को बचाना अब विकल्प नहीं, मानव अस्तित्व की अनिवार्यता बन चुका है।

(खक, पत्रकार, स्तंभकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

विद्यार्थियों को दी मेधावी छात्रवृत्ति

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : प्रत्याशा घिल्डियाल फाउंडेशन की ओर से रिखणीखाल क्षेत्र के विद्यालयों में अध्ययनरत मेधावी विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान की गई। साथ ही क्षेत्र में रहने वाली विधवा व असहाय महिलाओं के लिए मासिक पेंशन की भी शुरूआत की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ खंड विकास अधिकारी देवेश पंत ने की। फाउंडेशन के संस्थापक नरेंद्र घिल्डियाल व सुजाता घिल्डियाल ने फाउंडेशन के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने अपनी बेटी के नाम से वर्ष 2021 में फाउंडेशन की स्थापना की है। कहा कि वर्ष 2014 में केवल 20 वर्ष की उम्र में उनकी पुत्री सुजाता की एक सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। उसी के नाम से फाउंडेशन की स्थापना की गई है। कहा कि फाउंडेशन की तरफ से क्षेत्र के मेधावी छात्रों को 2000 हजार रूपए प्रति छात्र को छात्रवृत्ति के रूप में प्रदान की गई है। इसके अलावा क्षेत्र की 11 विधवा व असहाय महिलाओं के लिए पांच सौ रूपए प्रति महिला को मासिक पेंशन भी शुरू कर दी गई है। इस मौके पर शिक्षा अधिकारी विकास ध्यानी, भुवनेश घिल्डियाल, सूरजमणि घिल्डियाल मौजूद रहे।

लोकरंग उत्सव में सात राज्यों के कलाकार देगें प्रस्तुतियां

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : संस्कृति मंत्रालय और उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र की ओर से आयोजन पराज इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के सहयोग से छह दिवसीय लोकरंग उत्सव का आयोजन 25 से 30 मार्च तक किया जायेगा। इस दौरान गढ़वाल मंडल के विभिन्न स्थानों पर रंगारंग कार्यक्रमों के साथ आयोजित किया जा रहा है। इसी क्रम में 29 को श्रीनगर और 30 मार्च को पौड़ी में विशेष सांस्कृतिक प्रस्तुतियां होंगी। लोकरंग उत्सव में देश के सात राज्यों राजस्थान, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के कलाकार अपनी-अपनी समृद्ध लोकपरंपराओं पर आधारित प्रस्तुतियां देंगे। इन रंगारंग कार्यक्रमों के माध्यम से दर्शकों को भारत की विविध सांस्कृतिक विरासत की झलक देखने का अवसर मिलेगा। पराज इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के संस्थापक डॉ. बीपी बलोदी ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य युवाओं को देश की विभिन्न संस्कृतियों से जोड़ना और लोक कला के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

मां पूर्णागिरि स्वास्थ्य सेवा चेतना यात्रा शुरू

श्रीनगर गढ़वाल : वीर चंद्र सिंह गढ़वाली राजकीय मेडिकल कॉलेज, श्रीनगर से शुक्रवार को मां पूर्णागिरि स्वास्थ्य सेवा चेतना यात्रा का शुभारंभ किया गया। मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. आशुतोष सयाना ने हरी झंडी दिखाकर यात्रा को रवाना किया। इस अवसर पर कॉलेज के चिकित्सक, छात्र-छात्राएं और स्वयं सेवक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। यह यात्रा नेशनल मेडिकोस ऑर्गनाइजेशन (एनएमओ) की इकाई ने आयोजित की। इसका उद्देश्य दूरस्थ व जरूरतमंद क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना है। इस अभियान के तहत चिकित्सकों की एक टीम ऊधमसिंह नगर और चंपावत जिलों में दो दिवसीय चिकित्सा शिविर आयोजित की जाएगी। यहां स्थानीय लोगों को निःशुल्क चिकित्सा परामर्श, जांच और उपचार की सुविधा प्रदान की जाएगी। प्राचार्य डॉ. आशुतोष सयाना ने टीम को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह यात्रा केवल उपचार तक सीमित नहीं है बल्कि यह लोगों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता भी बढ़ाएगी। इस दौरान डॉ. कैलाश गैरोला और डॉ. सुरेंद्र सिंह नेगी ने टीम को आवश्यक मार्गदर्शन और सहयोग दिया। कार्यक्रम का समन्वयन डॉ. अमन भारद्वाज ने किया। (एजेंसी)

साहित्य समाज को दिशा देने का सशक्त माध्यम

श्रीनगर गढ़वाल : राजकीय महाविद्यालय देवप्रयाग और नगर पालिका परिषद देवप्रयाग के संयुक्त प्रयासों से नमामि गंगे इकाई के अंतर्गत आयोजित अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का शुक्रवार को समापन हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता क्षेत्रीय विधायक विनोद कंडारी ने की जबकि, मुख्य अतिथि के रूप में गीतकार डॉ. बुद्धिनाथ मिश्र और विशिष्ट अतिथि एसएसबी श्रीनगर के असिस्टेंट कमांडेंट अरुण सिंह मौजूद रहे।

निगम में पंजीकरण बंद, शहर में बढ़ रही रेहड़ी-ठेली की संख्या

नगर निगम की सुस्त कार्यप्रणाली से बिगड़ रही व्यवस्था,रेहड़ी ठेली के लिए अब तक नहीं हो पाई स्थाई व्यवस्था

कोटद्वार के देवी रोड में बेतरतीब तरीके से सड़क पर खड़ी रेहड़ी-ठेली

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : किसी भी शहर में रेहड़ी-ठेली लगाने से पूर्व नगर निगम में पंजीकरण किया जाता है। जिसके बाद नगर निगम रेहड़ी-ठेली संचालकों को लाइसेंस उपलब्ध करवाता है। लेकिन, कोटद्वार शहर में व्यवस्थाएं बेपटरी हो चली हैं। हालत यह है कि नगर निगम में पिछले दो वर्षों से पंजीकरण की व्यवस्था ठप पड़ी हुई है। नतीजा, शहर में लगातार बढ़ती रेहड़ी-ठेली की संख्या यातायात सहित अन्य व्यवस्था में बाधा बन रही है। गढ़वाल के प्रवेश द्वार कोटद्वार में शायद ही कोई ऐसी सड़क दिखाई दें जहां बेतरतीब तरीके से खड़ी रेहड़ी-ठेली नजर न आए। हाईवे के साथ ही अन्य मार्गों पर खड़ी यह रेहड़ी-ठेली शहर की यातायात व्यवस्था में सबसे अधिक बाधा उत्पन्न कर रही है। बावजूद नगर निगम आज तक रेहड़ी-ठेली के लिए कोई स्थायी व्यवस्था नहीं बना पाया है।

स्थिति यह है कि नगर निगम ने पिछले दो वर्षों से रेहड़ी-ठेली का ट्रेड लाइसेंस बनाना भी बंद कर दिया है। ऐसे में शहर में प्रतिदिन रेहड़ी-ठेली की संख्या बढ़ती जा रही है। एक अनुमान के मुताबिक शहर में करीब दो हजार से अधिक रेहड़ी-ठेली घूम रही हैं। सबसे अधिक रेहड़ी--ली गोखले मार्ग, पटेल मार्ग, स्टेशन रोड, देवी रोड, बदरीनाथ मार्ग पर घूमती रहती हैं। जबकि, यही मार्ग शहर के सबसे व्यस्त मार्ग है।

निगम को तहबाजारी का लालच

तहबाजारी के लालच में नगर निगम शहर में लगातार बढ़ती रेहड़ी-ठेली की संख्या को लेकर लापरवाह बना हुआ है। दरअसल, प्रतिदिन नगर निगम शहर से रेहड़ी-ठेली वालों से हजारों की तहबाजारी वसूलता है। ऐसे में जितनी रेहड़ी-ठेली बढ़ेगी नगर निगम को उतरा ही राजस्व मिलेगा। जबकि, इस लापरवाही से शहर की व्यवस्थाएं भी प्रभावित हो रही हैं। शहर में रेहड़ी ठेली वालों के लिए स्थाई व्यवस्था बनाने व इनकी संख्या को सीमित करने के लिए शहरवासी कई बार जनप्रतिनिधि व अधिकारियों से शिकायत भी कर चुके हैं। लेकिन, अब तक समस्या को लेकर गंभीरता नहीं दिखाई गई।

सुरक्षा को लेकर भी सवाल

शहर में लगातार बढ़ती रेहड़ी-ठेली की संख्या शहर की सुरक्षा पर भी सवाल खड़े कर रही है। दरअसल, अधिकांश रेहड़ी-ठेली वाले उत्तर प्रदेश के विभिन्न गांव से आते हैं। ऐसे में यह सुबह शहर में आते हैं और शाम को चले जाते हैं। रेहड़ी-ठेली वालों के बारे में नगर निगम व पुलिस के पास किसी भी तरह की जानकारी नहीं होती। ऐसे में यदि कोई आपराधिक घटना होती है तो पुलिस के हाथ खली ही रहेंगे। जबकि, पूर्व में गोखले मार्ग में कई बार टप्पेबाजी की घटनाएं भी हो चुकी हैं।

कर्मचारियों के हितों के लिए जरूरी है पुरानी पेंशन

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : लगातार आंदोलन के बाद भी पुरानी पेंशन लागू नहीं होने पर राष्ट्रीय पुरानी पेंशन बहाली संयुक्त मोर्चा ने रोष व्यक्त किया है। कहा कि कर्मचारियों व अधिकारियों के हितों के लिए पुरानी पेंशन लागू होनी जरूरी है। राष्ट्रीय पुरानी पेंशन बहाली संयुक्त मोर्चा के प्रदेश महासचिव सीताराम पोखरियाल ने कहा कि अधिकारी व कर्मचारी पिछले लंबे समय से पुरानी पेंशन लागू करने की मांग उठा रहे हैं। इस संबंध में संगठन ने मुख्यमंत्री से भी मुलाकात की थी। जिसमें उन्होंने पुरानी पेंशन बहाली का मुद्दा प्रधानमंत्री के समक्ष रखने की बात कही थी। कहा कि कर्मचारी व अधिकारियों के हित में पुरानी पेंशन बहाल लागू होनी आवश्यक है। सेवानिवृत्ति के बाद एकमात्र सहारा पेंशन ही होती है।

सिलेंडर देने के लिए दो मानक ठीक नहीं

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : कुंभीचौड़ में संयुक्त समाजसेवी संगठन की बैठक में आयोजित की गई, जिसमें नगर निगम क्षेत्र में गैस बुकिंग के दो मानक बनाए जाने पर आक्रोश जताया गया। साथ ही वार्डों की सफाई व्यवस्था पर ध्यान दिए जाने की मांग की है। मोहन सिंह रावत की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान में खाड़ी देशों में युद्ध के चलते घरेलू गैस का संकट बना हुआ है, जिसके लिए गैस एजेंसियों ने नगर निगम क्षेत्र में गैस बुकिंग के लिए दो मानक तय कर दिए है। कहा कि एक शहर में दो तरह के मानक बनाए जाना गलत है। कहा कि उपभोक्ताओं को सुगमता से गैस उपलब्ध करवाने के लिए गैस बुकिंग के लिए 45 दिन की बजाय 25 दिन की एक समान समय सीमा तय की जाए। वक्ताओं ने वार्डों की सफाई व्यवस्था पर सवाल खड़े करते हुए कहा कि सफाई कर्मी नियमित रूप से चौराहों की सफाई तो करते हैं। लेकिन, एक सामने कूड़े का ढेर इकठ्ठा कर चले जाते हैं, जिससे तेज हवा के कारण वही कूड़ा फिर से सड़कों व नालियों में बिखर जाता है। उन्होंने सफाई के साथ ही कूड़ा निस्तारण करवाए जाने की मांग की है। इस मौके पर महानंद ध्यानी, रतन सिंह नेगी, हरेंद्र सिंह रौतेला, प्रेम सिंह रौथाण, राम सिंह रावत, कल्याण सिंह रावत, महेशानंद गौड़, सतेंद्र सिंह नेगी मौजूद रहे।

हयवदन नाटक मंचन को दर्शकों ने सराहा

श्रीनगर गढ़वाल : विश्वश्व रंगमंच दिवस से पूर्व बीते बृहस्पतिवार को हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय के लोक कला एवं संस्कृति निष्पादन केंद्र में हयवदन नाटक का सफल मंचन किया गया। यह प्रस्तुति एमए रंगमंच एवं डिप्लोमा पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों ने दी। नाटक प्रस्तुति को दर्शकों ने खूब सराहा। नाटक का निर्देशन केंद्र के सह-निदेशक महेंद्र पंवार ने किया। नाटक के संगीत पक्ष का संयोजन विभाग के डिप्टी डायरेक्टर डॉ. संजय पांडे ने किया, जबकि तबला च परकशन पर जयेंद्र ने संगत दी। अब यह नाटक उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र प्रयागराज के पांच दिवसीय भरतमुनि नाट्य समारोह के अवसर पर मंचित किया जाएगा।

सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ एकजुट होने की आवश्यकता

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : ब्लॉक कांग्रेस कमेटी रिखणीखाल की ओर से एक सभा का आयोजन किया गया। जिसमें वक्ताओं ने सरकार की जन विरोधी नीतियों के खिलाफ एकजुट होने की बात कही। कहा कि सत्ता में बैठी भारतीय जनता पार्टी जनता का शोषण कर रही है।

आयोजित सभा को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष विकास नेगी ने कहा कि सत्ता में बैठी भारतीय जनता पार्टी जन हितों के बजाय जनता के शोषण का कार्य कर रही है। रोजगार, स्वास्थ्य व शिक्षा के अभाव में पहाड़ों से लगातार पलायन जारी है। महंगाई व बेरोजगारी ने जनता का जीना भी मुहाल कर दिया है। कहा कि कांग्रेस की मजबूती व सत्ता परिवर्तन के लिए जिले में अभियान चलाया जाएगा। कहा कि प्रदेश में लगातार पलायन का दौर जारी है। सरकार केवल विज्ञापनों में ही बेहतर रोजगार देने के दावे कर रही है। जबकि, हकीकत यह है कि पहाड़ का युवा रोजगार के लिए बड़े शहरों की ओर दौड़ रहे हैं। पहाड़ में जंगली जानवर का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। आए दिन ग्रामीणों को जंगली जानवर निवाला बना रहे हैं। लेकिन, सरकार लापरवाह बनी हुई है। इससे पता चलता है कि सरकार को लोगों के जीवन से भी कोई मतलब नहीं रह गया है। कहा कि अब समय आ गया है जब आमजन को सरकार के खिलाफ एकजुट होना होगा। उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों से भी संगठन की मजबूती के लिए काम करने की अपील की।

रिखणीखाल में आयोजित ब्लक कांग्रेस कमेटी के कार्यक्रम को संबोधित करते जिलाध्यक्ष

मार्ग निर्माण की अनदेखी पर रोष, 29 को मनाया जाएगा धिक्कार दिवस

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : न्यायालय के आदेश के बाद भी लालढांग-चिल्लरखाल मोटर मार्ग निर्माण नहीं होने से आक्रोशित लोगों ने 29 मार्च को धिक्कार दिवस मनाने का निर्णय लिया है। कहा कि स्थानीय जनता केवल मार्ग को एलिवेटेड ही चाहती है। जब तक मार्ग निर्माण का कार्य प्रारंभ नहीं होगा आंदोलन जारी रहेगा।

शुक्रवार को लोगों ने चिल्लरखाल वन चौकी के समीप धरना दिया। कहा कि 12 फरवरी को न्यायालय ने मार्ग निर्माण को हरी झंडी दिखाई। लेकिन, अब तक मार्ग निर्माण का कार्य धरातल पर प्रारंभ नहीं हुआ। यही नहीं, कुछ दिन पूर्व वन विभाग ने मार्ग पर व्यवसायिक वाहनों की आवाजाही पर भी रोक लगा दी थी। कहा कि सरकार की निष्क्रियता से स्पष्ट है कि सरकार क्षेत्र के विकास को लेकर गंभीर नहीं है। जबकि, जनता के हित को देखते हुए उक्त मार्ग का बनना बहुत आवश्यक है। इस मार्ग के निर्माण से ही क्षेत्र के विकास को भी गति मिलेगी। साथ ही शहरवासियों को राजधानी देहरादून जाने के लिए राज्य का ही मार्ग मिलेगा। इस मौके पर रवींद्र सौंद, जीवानंद शर्मा, गोवर्धन काला, नरेंद्र सिंह, स्वयंभर सिंह, मोहन जोशी, कल्पना जोशी, प्रेमा बजेठा, शांति सहित अन्य मौजूद रहे।

कोटद्वार के चिल्लरखाल वन चौकी के समीप धरना देते लोग

एनसीसी कैडेट समाज की सेवा के लिए तत्पर रहें

श्रीनगर गढ़वाल : एचएनबी गढ़वाल विश्वविद्यालय में युवा आपदा मित्र कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें एनसीसी कैडेटों को आपदा किट वितरित की गई। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आपदा के समय संकट में फंसे आमजन को त्वरित सहायता उपलब्ध कराना है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एनएस चौहान ने कैडेट्स को आपदा किट के सही उपयोग के बारे में जानकारी देते हुए एनसीसी के महत्व और उसके उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आपदा के समय प्रशिक्षित युवा ही सबसे पहले राहत कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट महेंद्र सिंह राणा ने कैडेट्स को आपदा मित्र की भूमिका तथा आपदा किट में उपलब्ध सामग्री के उपयोग के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

चारधाम यात्रा को लेकर स्वास्थ्य विभाग ने शुरू की विशेष तैयारी

श्रीनगर गढ़वाल : चारधाम यात्रा को सुरक्षित और सुव्यवस्थित बनाने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने इस वर्ष विशेष तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसी क्रम में पौड़ी और उत्तरकाशी जिलों के चिकित्सा अधिकारियों के लिए दो दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ मेडिकल कॉलेज के नेल्स स्किल सेंटर में किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए प्राचार्य डॉ. आशुतोष सायना ने कहा कि चारधाम ड्यूटी केवल एक जिम्मेदारी नहीं बल्कि सेवा का अवसर है जिससे पुण्य की प्राप्ति होती है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत चारधाम मार्गों से जुड़े अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों में तैनात डॉक्टरों को विशेष रूप से ऊंचाई वाले क्षेत्रों में होने वाली बीमारियों से निपटने के लिए तैयार किया जा रहा है। इसमें सांस लेने में दिक्कत, थकान, ब्लड प्रेशर असंतुलन और हृदय संबंधी समस्याओं जैसी स्थितियों पर विशेष फोकस किया जा रहा है। डॉ. सायना ने बताया कि यह प्रशिक्षण हर वर्ष आयोजित किया जाता है। इस प्रशिक्षण के पहले चरण में कुल 26 चिकित्साधिकारी प्रतिभाग कर रहे हैं। बेस अस्पताल श्रीकोट के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. राकेश रावत ने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रशिक्षण से चिकित्सकों की कार्यक्षमता में वृद्धि होगी। कार्यक्रम के नोडल अधिकारी प्रो. अजेय विक्रम सिंह ने बताया कि प्रशिक्षण में मेडिकल कॉलेज के विशेषज्ञ डॉक्टर डॉ. केएस बुटोला, डॉ. सुरेंद्र सिंह नेगी, डॉ. धनंजय डोभाल, डॉ. सतेंद्र यादव सहित अन्य विशेषज्ञ तीर्थयात्रियों को होने वाली संभावित स्वास्थ्य समस्याओं, आपात स्थितियों और उनके प्रभावी उपचार के बारे में विस्तार से जानकारी दे रहे हैं। (एजेंसी)

सिलेंडरों की कालाबाजारी पर सख्ती से रोक लगाएं : मेयर

श्रीनगर गढ़वाल : शहर में रसोई और कॉमर्शियल गैस सिलेंडरों की आपूर्ति के लिए उत्पन्न हो रही समस्याओं के समाधान के लिए नगर निगम कार्यालय में मेयर आरती भंडारी की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान मेयर ने सभी गैस एजेंसियों के वितरकों को स्पष्ट निर्देश दिए कि गैस वितरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ ही मेयर ने सिलेंडरों की कालाबाजारी पर सख्ती से रोक लगाने को कहा गया। मेयर ने एजेंसी संचालकों को आपसी समन्वय बनाकर शहर के विभिन्न क्षेत्रों में सुचारु गैस आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही डोर-टू-डोर गैस सिलेंडर डिलीवरी व्यवस्था को प्रभावी बनाने पर भी जोर दिया गया, जिससे आम जनता को किसी प्रकार की असुविधा न हो। बैठक में एजेंसी संचालकों ने बताया कि सिलेंडर उन्हीं उपभोक्ताओं को उपलब्ध कराए जाएंगे जिन्होंने पूर्व में बुकिंग की हुई है। पारदर्शिता बनाए रखने और समन्वय बेहतर करने के लिए सभी गैस एजेंसियों को नगर निगम के पार्षदों के मोबाइल नंबर भी उपलब्ध कराए गए हैं। इससे वार्ड स्तर पर आने वाली समस्याओं का त्वरित समाधान हो सकेगा। व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के संचालन को सुचारु बनाए रखने के लिए वैकल्पिक ईंधन के रूप में डीजल भट्टी की व्यवस्था को बढ़ावा देने पर भी बल दिया गया।

गैस कनेक्शन की केवाईसी के लिए लग रही लाइन

चमोली : अब बिना केवाईसी वाले कनेक्शनों पर रसोई गैस सिलिंडर नहीं मिल रहे हैं। ऐसे में लोग केवाईसी कराने के लिए सुबह ही इंडेन गैस सर्विस के कार्यालय में पहुंच रहे हैं जिससे इंडेन गैस सर्विस के कार्यालय में लोगों की भीड़ उमड़ रही है। गोपेश्वर गैस सर्विस से नगर क्षेत्र के साथ ही बछेर, मंडल, भीमतला और घिंघराण क्षेत्र जुड़े हुए हैं। गैस सर्विस के प्रबंधक संजय रावत का कहना है कि केवाईसी होने से फर्जी कनेक्शनों पर रोक लगेगी और उपभोक्ताओं को सिलिंडर की कमी नहीं होगी। गोपेश्वर सर्विस से करीब 15000 उपभोक्ता जुड़े हुए हैं। ज्योतिर्मठ, पोखरी, नंदप्रयाग, चमोली क्षेत्र में भी गैस कनेक्शनों की केवाईसी करवाई जा रही है।

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह पहुंचे पौड़ी

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से.नि) शुक्रवार को जनपद मुख्यालय पौड़ी पहुंचे। हैलीपैड पहुंचने पर पुलिस की ओर से राज्यपाल को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। विधायक राजकुमार पोरी समेत अन्य अधिकारियों ने राज्यपाल का स्वागत किया।

बता दें कि शनिवार को होने वाले पौड़ी के कृषि और औद्यानिकी विवि भरसार के दीक्षांत समारोह में राज्यपाल शिरकत करेंगे। वे शुक्रवार को दोपहर करीब तीन बजे पौड़ी के सर्किट हाउस पहुंचे। यहां उन्होंने बाल विकास, उद्योग विभाग, रीप परियोजना की ओर से लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण किया। दोपहर बाद राज्यपाल ने विभागीय अधिकारियों की बैठक ली।

केवी सवाड़ में शिक्षण कार्य शुरु करने की जिला प्रशासन ने कवायद की तेज

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : केंद्रीय विद्यालय सवाड़ में शिक्षण कार्य शुरु करने को लेकर जिला प्रशासन ने कवायद तेज कर दी है। जिलाधिकारी गौरव कुमार की अध्यक्षता में शुक्रवार को सवाड़ गांव में केंद्रीय विद्यालय संचालन की तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित की गई। इस दौरान जिलाधिकारी ने विद्यालय से पूर्व केंद्रीय विद्यालय संगठन मानकों के अनुसार किए गए कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने विद्यालय में 2026-27 शिक्षण सत्र में शिक्षण कार्य शुरु करने पर जोर देते हुए अधिकारियों को सभी कार्य समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए।

चमोली जनपद के देवाल ब्लॉक के सैन्य बाहुल्य गांव संवाड़ में केंद्रीय विद्यालय के संचालन को लेकर जिला प्रशासन ने कवायद तेज कर दी है। जिसके तहत यहां केंद्रीय विद्यालय संगठन की आवश्यकता के अनुरूप जहां गांव में वैकल्पिक व्यवस्था के तहत विद्यालय संचालन की व्यवस्थाएं पूर्ण की जा रही हैं। वहीं ग्रामीणों की ओर से विद्यालय भवन के स्थाई निर्माण हेतु शिक्षा विभाग को 103 नाली भूमि भी हस्तांतरित कर दी गई है। विद्यालय का संचालन शैक्षिक सत्र 2026-27 में शुरू करने को लेकर जिलाधिकारी ने शुक्रवार को शिक्षा विभाग, ग्रामीण निर्माण विभाग, अग्निशमन विभाग और तहसील प्रशासन के अधिकारियों की बैठक ली। इस दौरान उन्होंने शिक्षा विभाग को ग्रामीणों द्वारा प्रदत्त भूमि को शीघ्र केंद्रीय विद्यालय संगठन को हस्तांतरित करने, ग्रामीण निर्माण विभाग को वैकल्पिक कक्षा कक्षों को मानकों अनुरूप तैयार करने व ऊर्जा निगम के अधिकारियों को विद्यालय में विद्युत व्यवस्था को बहाल करने के निर्देश दिए। ताकि समय से विद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया को शुरू किया जा सके। इस मौके पर परियोजना अधिकारी आनंद भाकुनी, मुख्य शिक्षा अधिकारी आकाश सारस्वत, बीईओ योगेंद्र प्रसाद, अमर शहीद सैनिक मेला सवाड़ के अध्यक्ष आलम सिंह बिष्ट आदि मौजूद थे।

साथ ही उप जिलाधिकारी पंकज भट्ट और ग्राम प्रधान सवाड़ आशा धपोला सहित अन्य अधिकारी भी वर्चुअल माध्यम से बैठक में उपस्थित रहे।

सुरक्षात्मक कार्य करवाने की उठाई मांग

चमोली : सिरोखोमा के ग्रामीणों ने आवासीय भवनों के ऊपर हो रहे भूस्खलन को रोकने के लिए सुरक्षात्मक कार्य करवाने की मांग की। ग्रामीणों ने इस संबंध में मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा। कहा कि अब ऐसी जगह दीवार का निर्माण कराया जा रहा है जहां आपदा से कोई नुकसान नहीं हुआ है। होशियार सिंह, केशर सिंह, सुरेंद्र सिंह, दौलत सिंह, मान सिंह परमार, अरुणा परमार, नारायण सिंह, गोपाल सिंह, मोहन सिंह ने कहा कि गोपेश्वर बैतरणी-सिरोखोमा-बैरागना सड़क निर्माण के दौरान गांव के ऊपर स्कपर बना दिए गए हैं।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

[illegible] www.ireps.gov.in पर देखें।

Tender No. Date	342-DRM-MB-25-26 dt. 27.03.2026
Name of work	Improvement of various service buildings, road surface in colonies and development of parks in colonies along with other works in the section of SSE/W/CH under ADEN/CH.
Tender Closing Date / Time	20.04.2026
Advertised Value (Rs.)	Rs. 4,07,71,714.27/-
Earnest Money (Rs.)	Rs. 8,16,600.00
Tender Cost (Rs.)	00
Bidding Start Date	06.04.2026
Period of Completion	06 Month

सं.: No.: 73-W/2/3/WA/Publication दिनांक: 27.03.2026 1040/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

शोधकर्ताओं और नवाचारकर्ताओं को बौद्धिक संपदा अधिकार की दी जानकारी

रुद्रपुर। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय सितारगंज में आईपीआर कार्यशाला हुई। इसमें शिक्षकों, शोधकर्ताओं और नवाचारकर्ताओं को बौद्धिक संपदा अधिकार तथा प्रोविजनल पेटेंट फाइलिंग की व्यावहारिक जानकारी दी गई। शुक्रवार को कार्यशाला का शुभारंभ मुख्य अतिथि एमबीबीजी कॉलेज हल्द्वानी के प्राध्यापक डॉ. नरेंद्र सिजवाली और प्राध्यापक डॉ. दर्शन सिंह, प्राचार्य डॉ. रेनू रानी बंसल ने संयुक्त रूप से किया। उन्होंने कहा कि नवाचारों की सुरक्षा के लिए आईपीआर का ज्ञान होना आवश्यक है ताकि शिक्षक अपने शैक्षणिक नवाचारों को पेटेंट के माध्यम से संरक्षित रख सके। कार्यक्रम में उत्तराखंड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, देहरादून के पेटेंट इन्फॉर्मेशन सेंटर से हिमांशु गोयल मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने शोधकर्ताओं को प्रोविजनल पेटेंट फाइलिंग की प्रक्रिया को चरणबद्ध तरीके से समझाया तथा नवाचार संरक्षण से जुड़े व्यावहारिक पहलुओं की जानकारी दी। साथ ही, आईपीआर जागरूकता एवं पेटेंट ड्राफ्टिंग की मूलभूत जानकारियों को अनुभव–आधारित उदाहरणों के माध्यम से समझाया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. राजविंदर कौर ने किया। डॉ. सुधा पाल, डॉ. एमसी आर्य, डॉ. जगदीश प्रसाद, डॉ. शोभा बजेठा, डॉ. गरिमा जोशी, डॉ. संजय टम्टा, डॉ. गीतांजलि मिश्रा, डॉ. कमला उपाध्याय मौजूद रहे।

बिजली चोरी पर छह पर मुकदमा

रुद्रपुर। ऊर्जा निगम की विजिलेंस टीम और विभागीय अधिकारियों ने गदरपुर क्षेत्र के राजपुरा कॉलोनी, राजपुरा नंबर एक, मझरा झुन्नी में संयुक्त रूप से छापेमारी अभियान चलाया। टीम ने गदरपुर थाने में राजपुरा नंबर एक निवासी गुरदास सिंह, कुलवंत कौर, हरजीत कौर, एकतार सिंह, वीरेंद्र सिंह और बिशन सिंह के खिलाफ बिजली चोरी का मुकदमा दर्ज किया है। छापेमारी अभियान में सहायक अभियंता सतर्कता अमित आर्या, अवर अभियंता मेहताब अली, लाइनमैन बबली शर्मा, दीपक कुमार, राजेश और मनीष सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

राज्य आंदोलनकारी ने की चिन्हिकरण की मांग

रुद्रपुर। उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारी ने ज्ञापन भेजकर आंदोलनकारी घोषित करने की मांग की। दयाकिशन ततराड़ी ने कहा कि साक्ष्य होने के बाद भी राज्य आंदोलनकारी चिह्नित नहीं किया गया। राज्य निर्माण आंदोलनकारी सम्मान परिषद के उपाध्यक्ष सुभाष बड़थ्वाल को ज्ञापन प्रेषित कर राज्य आंदोलनकारी घोषित करने की मांग की। गुरुवार को भेजे ज्ञापन में कहा कि वह राज्य आंदोलन के दौरान खटीमा गोलीकांड के सरकारी गवाह होने के बाद भी वर्ष 2009 से राज्य आंदोलनकारी चिह्नित होने के लिए शासन–प्रशासन के चक्कर काट रहे हैं। उन्होंने धरना–प्रदर्शन व जुलूसों में भी सक्रिय भूमिका निभाई। राज्य आंदोलन के दौरान वर्ष 1994 में गोलीकांड के दूसरे दिन स्थानीय अभिसूचना इकाई के सक्षम अधिकारी ने पूरे घटनाक्रम की मौखिक जानकारी ली।उसी आधार पर सीबीआई ने उन्हें खटीमा गोलीकांड का सरकारी गवाह बनाया। दयाकिशन ने कहा कि सभी साक्ष्य मौजूद होने के बाद भी उन्हें राज्य आंदोलनकारी चिह्नित नहीं किया गया।

परिवहन शुल्क बढ़ोतरी के विरोध में अभिभावकों का प्रदर्शन

रुद्रपुर। निजी स्कूलों द्वारा बस और वैन से लिए जा रहे परिवहन शुल्क में अचानक की गई बढ़ोतरी के विरोध में अभिभावकों ने जोरदार प्रदर्शन किया। सुशील गाबा के नेतृत्व में बड़ी संख्या में अभिभावक एआरटीओ कार्यालय पहुंचे और प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताते हुए एआरटीओ प्रशासन मोहित कोठारी को ज्ञापन सौंपा। अभिभावकों ने बताया कि 25 मार्च 2026 को आयोजित बैठक के बाद परिवहन शुल्क 2200 रुपये से बढ़ाकर 3700 रुपये मासिक कर दिया गया है, जो सीधे तौर पर अभिभावकों की जेब पर भारी पड़ रहा है। उनका कहना है कि पहले से ही बच्चों की शिक्षा, किताबें, यूनिफॉर्म और अन्य खर्च काफी अधिक हैं, ऐसे में परिवहन शुल्क में इतनी बड़ी वृद्धि पूरी तरह अनुचित है। प्रदर्शन कर रहे अभिभावकों ने कहा कि इस फैसले से मध्यम और निम्न आय वर्ग के परिवारों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। कई परिवारों के लिए बच्चों की पढ़ाई जारी रखना भी मुश्किल होता जा रहा है। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि इस निर्णय को तत्काल प्रभाव से वापस लिया जाए और परिवहन शुल्क को उचित व न्यायसंगत स्तर पर तय किया जाए। एआरटीओ मोहित कोठारी ने अभिभावकों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए आश्वासन दिया कि उनकी मांगों को शासन स्तर पर भेजा जाएगा

संक्षिप्त समाचार

एक्सपायर्ड उत्पाद बिक्री की शिकायत पर ई–कॉमर्स स्टोर पर छापेमारी

हरिद्वार। सीएम हेल्पलाइन पर एक्सपायर खाद्य पदार्थ बेचने की शिकायत के बाद खाद्य सुरक्षा विभाग की जांच में चौंकाने वाला तथ्य सामने आया। ई–कॉमर्स स्टोर प्रबंधन ने स्वीकारा कि डंप एरिया में रखी पैक्ड छाछ को नए कर्मचारी की गलती से ग्राहक को बेच दिया गया था। जिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी महिमानंद जोशी के निर्देश पर वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी दिलीप जैन ने शिवालिकनगर स्थित इस स्टोर का निरीक्षण किया। इस दौरान डेयरी उत्पाद, ग्रॉसरी, फल और सब्जियों के लेबल की गहन जांच की गई। हालांकि, मौके पर कोई एक्सपायर खाद्य पदार्थ नहीं मिला, लेकिन जांच में स्टॉक प्रबंधन और बिलिंग प्रणाली में खामियां पाई गईं। पता चला कि इस स्टोर में फर्स्ट इन–फर्स्ट आउट और फर्स्ट एक्सपायर–फर्स्ट आउट जैसे नियमों का पालन नहीं किया जा रहा था। जरूरी अभिलेख भी मौके पर उपलब्ध नहीं कराए गए।बिलिंग सिस्टम भी सवालों के घेरे में आयापूछताछ में सामने आया कि स्टोर के ऑनलाइन बिलिंग सिस्टम में एक्सपायर उत्पादों की बिक्री रोकने की कोई प्रभावी व्यवस्था नहीं है। यूपीसी कोड के जरिए ऐसे उत्पादों की भी बिलिंग संभव हो रही थी।

कनाडा भेजने के नाम पर 6.44 लाख की ठगी

काशीपुर। विदेश भेजने के नाम पर दो युवकों से लाखों रुपये की ठगी करने का मामला सामने आया है। पीड़ित शमी पुत्र खुर्शीद अहमद ने शुक्रवार को कोतवाली पहुंचकर कोतवाल नरेश चौहान को लिखित शिकायत दी। उन्होंने कहा कि वह अपने भतीजे मुजीबुर्रहमान और भांजे समीर को कनाडा भेजना चाहते थे। इसके लिए काशीपुर और अफजलगढ़ स्थित एक ओवरसीज एजेंट के पास गए। दोनों के कनाडा भेजने के लिए 20 लाख रुपये तय हुआ। उसने 6.44 लाख रुपये दी और बाकी की रकम कनाडा पहुंचने के बाद देने का वादा किया गया था। आरोप है कि आरोपियों ने सुरक्षा के तौर पर पीड़ितों के असली पासपोर्ट और हस्ताक्षर किए हुए खाली चेक अपने पास रख लिए।एक साल बीत जाने के बाद न तो वीजा मिला और पैसे मांगने पर धमकियां दी जा रही है। कोतवाल ने मामले की जांच कर उचित कार्रवाई का भरोसा दिया है।

आरोपी ट्रक चालक दोष मुक्त

काशीपुर। अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सचिन कुमार की अदालत ने सड़क हादसे में स्कूटी सवार की मौत के मामले में आरोपी ट्रक चालक को साक्ष्यों के अभाव में दोषमुक्त कर दिया है। अभियोजन के अनुसार, काशीपुर निवासी सुनील कुमार ने कोतवाली आईटीआई में मुकदमा दर्ज कराया था।

उन्होंने बताया कि सात फरवरी 2016 को उनके बड़े भाई अनिल कुमार अपने छोटे भाई के साथ स्कूटी से रेलवे स्टेशन जा रहे थे। बाजपुर रोड पर एक ट्रक ने उनकी स्कूटी को टक्कर मार दी। हादसे में भाई की मौत हो गई। पुलिस ने मामले में केस दर्ज किया। विवेचना के बाद पुलिस ने ट्रक चालक शमीम पुत्र नगीन निवासी ग्राम डूंगर थाना रोहटा जिला मेरठ के खिलाफ आरोप पत्र न्यायालय में पेश किया। न्यायालय ने अभियुक्त पक्ष के अधिवक्ता संजीव कुमार आकाश के तर्कों को सुना।

लापता नाबालिग दिल्ली से सकुशल बरामद

विकासनगर। सेलाकुई पुलिस ने ऑपरेशन स्माइल के तहत एक गुमशुदा नाबालिग को दिल्ली से सकुशल बरामद कर परिजनों के सुपुर्द कर दिया। नाबालिग के सकुशल मिलने पर परिजनों ने पुलिस का आभार प्रकट किया। थानाध्यक्ष सेलाकुई पीडी भट्ट ने बताया कि 23 मार्च को सेलाकुई निवासी एक व्यक्ति ने अपनी नाबालिग पुत्री के घर से बिना बताए चले जाने की सूचना थाना सेलाकुई में दी थी। इस पर पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर नाबालिग की तलाश शुरू की।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिले सीएम पुष्कर सिंह धामी

मुख्यमंत्री ने राज्य के विकास में केंद्र के सहयोग के लिए जताया प्रधानमंत्री का आभार

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से शिष्टाचार भेंट की। मुख्यमंत्री ने उत्तराखण्ड के विकास के लिये केंद्र सरकार द्वारा प्रदान किए जा रहे सहयोग एवं मार्गदर्शन के लिए प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि केंद्र के सहयोग से राज्य विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को टिहरी जनपद में स्थित शक्तिपीठ मां सुरकंडा देवी की रेप्लिका, बद्री गाय का घी के साथ ही राज्य के अलग-अलग जिलों से मंगाई पांच प्रकार की राजमा और शहद भेंट किए। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उत्तराखण्ड आगमन का निमंत्रण देते हुए विभिन्न परियोजनाओं के लोकार्पण एवं शिलान्यास का प्रस्ताव भी रखा। प्रस्तावित लोकार्पण में दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस-वे तथा टिहरी पम्प्ड स्टोरेज प्लांट शामिल हैं, जबकि शिलान्यास के लिए पंतनगर एयरपोर्ट के विस्तार एवं बनबसा लैंड पोर्ट परियोजना शामिल है। मुख्यमंत्री ने बताया कि चम्पावत जनपद के बनबसा क्षेत्र में भारत-नेपाल सीमा पर विकसित हो रहा लैंड पोर्ट व्यापार, आवागमन एवं क्षेत्रीय सहयोग को नई गति देगा तथा एशियन हाईवे से जुड़कर अंतरराष्ट्रीय कनेक्टिविटी को सुदृढ़ करेगा। मुख्यमंत्री ने हरिद्वार कुम्भ-2027 के लिए 500 करोड़ रुपये की सहायता, नदी जोड़ो परियोजना के अंतर्गत नेशनल वाटर डेवलपमेंट एजेंसी द्वारा फिजिबिलिटी स्टडी, राजाजी नेशनल पार्क स्थित चौरासी कुटिया के विकास के लिए 100 करोड़ की स्वीकृति, पिथौरागढ़ के नैनी-सैनी हवाई पट्टी हेतु एमओयू और चारधाम यात्रा के लिए सुरक्षित हेली सेवाओं हेतु संचालन में सहयोग के लिए प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने ऋषिकेश में विद्युत लाइनों के भूमिगतकरण, चम्पावत बाईपास, देहरादून रिंग रोड एवं देहरादून-मसूरी रोड जैसी महत्वपूर्ण आधारभूत परियोजनाओं की स्वीकृति के लिए भी प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने बताया कि उत्तराखण्ड को वैश्विक वेडिंग डेस्टिनेशन के रूप में विकसित करने के लिए चौपता, दुग्गलबिट्ठा, पटवाडांगर और शारदा कॉरिडोर क्षेत्र में कार्य किया जा रहा है, जबकि रामनगर, देहरादून, ऋषिकेश और त्रियुगीनारायण पहले से लोकप्रिय वेडिंग डेस्टिनेशन बन चुके हैं। राज्य में वेडिंग डेस्टिनेशन के लिए पालिसी भी तैयार की जा रही है। मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य में आध्यात्मिक आर्थिक क्षेत्र के रूप में बेल केदार, अंजनीसैंण-टिहरी तथा लोहाघाट-श्यामलाताल क्षेत्रों को चिन्हित किया गया है। राज्य सरकार ने शीतकालीन यात्रा भी प्रारंभ कर दी है, जिसके परिणामस्वरूप श्रद्धालुओं की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। आदि कैलाश यात्रा में वर्ष 2022 में 1761 श्रद्धालुओं की तुलना में वर्ष 2025 में 36453 श्रद्धालुओं द्वारा दर्शन किया गया। यहां के लिए हेलीसेवा भी शुरू की गई। इसी तरह राज्य में साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए रिवर राफ्टिंग, पैराग्लाइडिंग, कयाकिंग सहित अनेक गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा रहा है।

ऋषिकेश तक किया जाए रेपिड रेल का विस्तार

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दिल्ली से मेरठ तक संचालित आरआरटीसी (रेपिड रेल) परियोजना का विस्तार मेरठ से हरिद्वार एवं ऋषिकेश तक किए जाने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने उत्तराखण्ड में रक्षा उपकरण निर्माण इकाइयों की स्थापना के लिए नीति समर्थन एवं प्राथमिकता देने का भी अनुरोध किया। उन्होंने राज्य की सामरिक स्थिति, उपलब्ध प्रशिक्षित मानव संसाधन और विकसित औद्योगिक ढांचे को इस दिशा में उपयुक्त बताया। मुख्यमंत्री ने कोटद्वार, हरिद्वार एवं देहरादून में रक्षा उपकरण उत्पाद औधोगिक केंद्र की स्थापना पर भी केंद्र से सहयोग मांगा। इसके साथ ही रायवाला क्षेत्र में बीआई-डक ब्रिज के विकास तथा उत्तरकाशी जिले में स्थित चिन्यालीसौड़ एयरस्ट्रिप के विस्तार की आवश्यकता पर भी बल दिया।

दिल्ली-हल्द्वानी एक्सप्रेस-वे के निर्माण का रखा प्रस्ताव

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने टिहरी झील में सी-प्लेन सेवा प्रारंभ करने का प्रस्ताव भी प्रधानमंत्री के समक्ष रखा। मुख्यमंत्री ने दिल्ली-हल्द्वानी एक्सप्रेस-वे के निर्माण का अनुरोध किया। उन्होंने बताया कि इस परियोजना से काशीपुर, रुद्रपुर औद्योगिक क्षेत्र, पंतनगर एयरपोर्ट तथा रामनगर स्थित जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क तक आवागमन सुगम होगा ।

मुख्यमंत्री ने बहु-क्षेत्रीय परियोजनाओं को दी स्वीकृति

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखंड सरकार द्वारा राज्य के समग्र विकास को नई दिशा देते हुए पर्यटन, परिवहन, पंचायती राज एवं खेल अवसंरचना से जुड़ी महत्वपूर्ण परियोजनाओं को वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है। इन निर्णयों से राज्य में आधारभूत सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण एवं रोजगार सृजन को बढ़ावा मिलेगा।

'नॉर्थ हर-की-पौड़ी डेवलपमेंट वर्क्स' के अंतर्गत 66.34 करोड़ की परियोजना को व्यय वित्त समिति द्वारा अनुमोदित किया गया है। यह परियोजना भारत सरकार की एसएएससीआई योजना के तहत स्वीकृत है। प्रथम चरण में 10 करोड़ की धनराशि अवमुक्त करने का प्रस्ताव भेजा गया है, जिससे हर की पौड़ी क्षेत्र में पर्यटन सुविधाओं का व्यापक विस्तार होगा। राजधानी देहरादून में 'चारधाम मॉनिटरिंग एंड इंसिडेंट रिस्पॉन्स सेंटर' की स्थापना को मंजूरी दी गई है। 357.84 लाख की लागत से बनने वाला यह केंद्र यात्रियों की सुरक्षा, ट्रैफिक प्रबंधन एवं आपदा प्रतिक्रिया को सुदृढ़ करेगा। परियोजना का क्रियान्वयन उत्तराखंड पेयजल संसाधन विकास एवं निर्माण निगम द्वारा किया जा रहा है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के तहत 15वें वित्त आयोग की सिफारिशों के अनुरूप 133.68 करोड़ की 'टाइड ग्रांट' जारी की गई है। ग्राम पंचायतों को 75 प्रतिशत, क्षेत्र पंचायतों को 10 प्रतिशत, जिला पंचायतों को 15 प्रतिशत राशि आवंटित की गई है। यह धनराशि पेयजल, स्वच्छता, वर्षा जल संचयन एवं ओडीएफ स्थिति बनाए रखने जैसे कार्यों में उपयोग की जाएगी। समस्त भुगतान क्वाटर प्रणाली के माध्यम से 10 कार्य दिवसों के भीतर सुनिश्चित किया जाएगा। हल्द्वानी में अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम को 'खेल विश्वविद्यालय' के रूप में विकसित किया जाएगा, जिसकी कुल लागत 3636.50 लाख (अकादमिक एवं छात्रावास सहित) निर्धारित है। चंपावत में 'श्री गोलू देवता कॉरिडोर (जोन-ए)' के प्रथम चरण हेतु 117.22 करोड़ की परियोजना स्वीकृत की गई है।

समग्र विकास की दिशा में सशक्त कदम

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य ‟विकास और विरासत के संतुलन" के साथ उत्तराखंड को पर्यटन, संस्कृति, खेल और ग्रामीण सशक्तिकरण के क्षेत्र में अग्रणी बनाना है। इन योजनाओं के माध्यम से राज्य में बुनियादी ढांचे का व्यापक विस्तार और जनसुविधाओं में गुणात्मक सुधार सुनिश्चित होगा।

सत्र शुरू होने से पहले स्कूलों में पहुंचीं किताबें

रुड़की। इस बार शिक्षा विभाग की तैयारियां समय से पहले जमीन पर उतरती दिखाई दे रही हैं। नए शिक्षा सत्र के शुरू होने से पहले ही सरकारी स्कूलों में पाठ्य पुस्तकों की आपूर्ति शुरू हो गई है। इसका सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि बच्चों की पढ़ाई शुरुआती दिनों से ही सुचारु रूप से चल सकेगी और उन्हें किताबों के इंतजार में समय खराब नहीं करना पड़ेगा। जनपद हरिद्वार के निःशुल्क पाठ्य पुस्तक भंडारण एवं वितरण केंद्र पर वर्तमान में 15,20,156 पाठ्य पुस्तकों के सापेक्ष 4,11,548 पाठ्य पुस्तकों की खेप भंडारण केंद्र पहुंच गई हैं। शिक्षा विभाग द्वारा चरणबद्ध तरीके से इन पुस्तकों को विद्यालयों तक पहुंचाने का काम शुरू कर दिया गया है, ताकि नया शैक्षिक सत्र बिना किसी बाधा के शुरू हो सके।

परिवहन कार्यालय पर गरजे स्कूल वैन संचालक

देहरादून। उत्तराखंड स्कूल वैन एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष सचिन गुप्ता के नेतृत्व में शुक्रवार को भारी संख्या में वैन संचालकों ने संभागीय परिवहन कार्यालय का घेराव किया। संचालकों ने विभाग द्वारा स्कूल वैन के लिए बिना किसी अध्ययन के मासिक शुल्क निर्धारित करने का कड़ा विरोध करते हुए इसे तत्काल वापस लेने की मांग की। एआरटीओ चक्रमनी मिश्रा को ज्ञापन सौंपते हुए सचिन गुप्ता ने कहा कि एक तरफ सरकार युवाओं को स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहित कर रही है, वहीं दूसरी ओर परिवहन विभाग के नए नियम वैन संचालकों को आर्थिक रूप से तोड़ रहे हैं।

उत्तराखंड में बर्फबारी और बारिश का अलर्ट

देहरादून। उत्तराखंड के कई हिस्सों में मौसम बदल गया है। उत्तरकाशी, चमोली, पिथौरागढ़ और बागेश्वर में गरज चमक के साथ बारिश देखी गई है। वहीं उंची चोटियों पर बर्फबारी हुई है। मौसम विभाग ने आगे भी मौसम खराब रहने के संकेत दिए हैं। मौसम विभाग के अनुसार, 2 अप्रैल तक उत्तराखंड के अलग–अलग इलाकों में मौसम की उठापटक देखी जाएगी। अलग–अलग जिलों में चोटियों पर बर्फबारी के संकेत हैं। इस दौरान कुछ जगहों पर तेज हवाएं भी चल सकती हैं। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे के दौरान उत्तराखंड के उत्तरकाशी, देहरादून, टिहरी, रुद्रप्रयाग, चमोली, नैनीताल, बागेश्वर और पिथौरागढ़ जिलों में कुछ स्थानों पर गरज चमक के साथ बारिश की संभावना जताई है। वहीं इन जिलों में 3300 मीटर और उससे अधिक उंचाई वाले स्थानों पर बर्फबारी या बारिश दर्ज की जा सकती है। उत्तराखंड के बाकी जिलों में इक्का–दुक्का स्थानों पर हल्की बारिश या बौछारें पड़ने की संभावना है। मौसम विभाग ने 28 मार्च को उत्तराखंड के उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर और पिथौरागढ़ जिलों में कुछ जगहों पर बहुत हल्की बारिश देखी जा सकती है। वहीं इन जिलों में 3300 मीटर और उससे अधिक उंचाई वाली जगहों पर गरज चमक के साथ बर्फबारी या बौछारें पड़ने की संभावना है। उत्तराखंड के बाकी जिलों में मौसम शुष्क रहने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, 29 मार्च को उत्तराखंड के उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर और पिथौरागढ़ जिलों में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश की संभावना जताई है। वहीं इन जिलों में गरज चमक के साथ 3300 मीटर और उससे अधिक उंचाई वाले स्थानों पर बर्फबारी या बारिश भी देखी जा सकती है। उत्तराखंड के बाकी जिलों में इक्का–दुक्का स्थानों पर बहुत हल्की बारिश देखी जा सकती है।

प्रधानमंत्री आवास योजना दो के तहत 5 लाभार्थियों को पहली किस्त जारी

देहरादून। प्रधानमंत्री आवास योजना दो के अंतर्गत नगर निगम ने पांच लाभार्थियों को प्रथम किस्त जारी की गई। प्रत्येक लाभार्थी को 20,000 की दर से कुल 1,00,000 की अनुदान राशि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से प्रदान की गई। यह राशि महापौर सौरभ थपलियाल द्वारा लाभार्थियों को वितरित की गई। योजना के तहत अब तक कुल 88 में से 87 लाभार्थियों को राशि वितरित की जा चुकी है। कार्यक्रम में नगर आयुक्त नमामी बंसल, सामाजिक विकास विशेषज्ञ रमेश सिंह चौहान, योजना सहायक रविन्द्र कुमार एवं लाभार्थियों के परिजन उपस्थित रहे।

1 अप्रैल से चलेगा प्री—एसआईआर में मैपिंग का सघन अभियान

— 85% मैपिंग पूरी, कम मैपिंग वाले बूथ पर स्पेशल फोकस

देहरादून। अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ विजय कुमार जोगदंडे ने शुक्रवार को सचिवालय स्थित मीडिया सेंटर में प्रेस कान्फ्रेंस कर आगामी विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम की तैयारियों और प्रगति के सम्बंध में विस्तृत जानकारी दी। अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ जोगदंडे ने बताया कि मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ बीवीआरसी पुरुषोत्तम के निर्देशन में प्रदेश में आगामी विशेष गहन पुनरीक्षण के दृष्टिगत प्री–एसआईआर फेज में 85 प्रतिशत से अधिक मैपिंग का लक्ष्य प्राप्त कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि आगामी अप्रैल माह से प्रदेश में और भी सघन डोर–टू–डोर अभियान चलाकर कम मैपिंग वाले बूथ पर स्पेशल फोकस करते हुए मैपिंग का कार्य पूर्ण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के कम में प्रत्येक बूथ पर एब्सेंट, शिफ्टेड और डेथ (एएसडी) सूची तैयार की जा रही है ताकि मतदाता सूची के शुद्धिकरण कार्य और गहनता से किया जा सके। एक क्लिक पर अपने बीएलओ के लिए बुक करा सकते हैं फोनकॉलः अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ विजय कुमार जोगदंडे ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाताओं की सुविधा के लिए "बुक ए कॉल विद बीएलओ" के फीचर से मतदाता एक क्लिक पर अपने बीएलओ के साथ कॉल बुक करा सकते हैं। इसके लिए मतदाता वेबसाइट पर विजिट करके या ईसीआई–नेट मोबाइल ऐप को डाउनलोड कर अपनी कॉल बुक करा सकते हैं। कॉल बुक कराने के बाद दो दिन के भीतर बीएलओ द्वारा मतदाता से स्वयं संपर्क किया जाएगा। 19 हजार नियुक्त : अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ विजय कुमार जोगदंडे ने राजनैतिक दलों से शत प्रतिशत बूथ लेवल एजेंट्स की नियुक्त करने का आग्रह किया है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में प्रदेश में 11733 पोलिंग बूथों के सापेक्ष सभी दलों द्वारा 19116 बीएलए की ही नियुक्ति हुई है।

देव डोलियों की भव्य शोभायात्रा एवं गंगा स्नान की तैयारियां शुरू

हरिद्वार। कुंभ मेला 2027 में उत्तराखंड के विभिन्न क्षेत्रों की देव डोलियों द्वारा गंगा स्नान एवं शोभायात्रा एक प्रमुख आकर्षण होगा। इस आयोजन के माध्यम से राज्य की लोक संस्कृति, परंपरा तथा आस्था की अद्भुत छवियों को देश–दुनिया के सामने प्रस्तुत करने के उद्देश्य से राज्य सरकार के निर्देश पर मेला प्रशासन ने देव डोलियों की शोभायात्रा एवं स्नान के दिव्य आयोजन की तैयारियां पूरी भव्यता के साथ शुरू कर दी हैं।

इसी क्रम में मेलाधिकारी श्रीमती सोनिका की अध्यक्षता में शुक्रवार को मेला नियंत्रण भवन, हरिद्वार में एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें देव डोलियों के स्नान एवं शोभायात्रा की रूपरेखा सहित विभिन्न व्यवस्थाओं पर विस्तार से विचार–विमर्श किया गया। बैठक में जनप्रतिनिधियों, देवभूमि लोक संस्कृति से जुड़ी विभिन्न समितियों के पदाधिकारियों तथा मेला प्रशासन एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया। इस दौरान देव डोलियों की शोभायात्रा एवं स्नान की तिथि, आवागमन मार्ग, ठहराव स्थलों की व्यवस्था तथा पारंपरिक शोभायात्रा के संचालन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। बैठक में मेलाधिकारी श्रीमती सोनिका ने कहा कि इस आयोजन के माध्यम से देश–दुनिया के लोग उत्तराखंड की समृद्ध लोक संस्कृति, धार्मिक परंपराओं एवं मान्यताओं का साक्षात्कार कर सकेंगे। उन्होंने कुंभ मेला की स्नान तिथियों एवं अन्य तैयारियों की जानकारी देते हुए कहा कि देव डोलियों की शोभायात्रा एवं स्नान कार्यक्रम को पूर्ण भव्यता के साथ आयोजित किया जाएगा। साथ ही, कुंभ की परंपराओं, लोक आस्था एवं सांस्कृतिक महत्व का विशेष ध्यान रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि इस दिव्य आयोजन में शामिल होने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा के लिए समुचित प्रबंध सुनिश्चित किए जाएंगे। बैठक में लैंसडाउन क्षेत्र के विधायक श्री दिलीप रावत ने कहा कि राज्य सरकार कुंभ मेले के अवसर पर देव डोलियों के स्नान एवं शोभायात्रा को भव्य रूप देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और इसमें किसी प्रकार की कमी नहीं रहने दी जाएगी। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने इस आयोजन को लेकर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार राज्य के विभिन्न क्षेत्रों की देव डोलियों के प्रतिनिधियों, शोभायात्रा समिति के सदस्यों एवं अन्य संबंधित पक्षों के साथ समन्वय स्थापित कर आयोजन की रूपरेखा को अंतिम रूप दिया जाएगा।

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि देव डोलियों के आगमन से पूर्व संबंधित क्षेत्रों एवं समितियों के साथ निरंतर संवाद स्थापित रखते हुए तैयारियों को अंतिम रूप दिया जाएगा। गढ़वाल एवं कुमाऊं मंडल में कार्यक्रम के समन्वय हेतु संयोजकों को नामित किया जाएगा। साथ ही कुंभ की परंपराओं एवं लोक मान्यताओं के अनुरूप शुभ मुहूर्त के आधार पर कार्यक्रम की तिथि का पृथक निर्धारण किया जाएगा।

ट्रांसजेंडर संशोधन विधेयक 2026 के खिलाफ देहरादून में विरोध

देहरादून। गांधी पार्क में ट्रांसजेंडर संशोधन विधेयक 2026 के खिलाफ ट्रांसजेंडर व विभिन्न संगठनों ने विरोध किया। शुक्रवार को ट्रांसजेंडर समूहों और कार्यकर्ताओं ने ट्रांसजेंडर व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) संशोधन विधेयक, 2026 के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए इसे अमानवीय बताया। देशव्यापी विरोध और विपक्ष के बावजूद, इस विधेयक को लोकसभा और राज्यसभा दोनों में पारित कर दिया गया है। उन्होंने इस नए बिल को असंवैधानिक और अपनी पहचान व अधिकारों को सीमित करने वाला बताते हुए इसे वापस लेने की मांग की है। इस मौके पर ओशिन, मीरा, कमला पंत, निर्मला विष्ट, स्वाती नेगी आदि मौजूद रहे।

हल्द्वानी से डीडीहाट जा रही बस पलटी, एक की मौत, 8 यात्री घायल

नैनीताल। उत्तराखंड में हल्द्वानी–भवाली मार्ग पर शुक्रवार सुबह केमू की एक बस बेकाबू होकर सड़क पर ही पलट गई। इस दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई है, जबकि आठ यात्री घायल हैं। गंभीर रूप से घायल लोगों को इलाज के लिए हल्द्वानी एसटीएच में भर्ती कराया गया है। केमू की बस हल्द्वानी से पिथौरागढ़ के डीडीहाट जा रही थी। दुर्घटना भवाली से करीब 5 किलोमीटर दूर खुपी क्षेत्र में ज्योलीकोट रोड स्थित भूमियाधार मंदिर के पास हुई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, एसडीआरएफ और फायर ब्रिगेड की टीमों ने मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू अभियान चलाया। स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को बस से निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया। पलटने से पहले बस ने दो वाहनों को मारी टक्करः बताया जा रहा है कि हादसे से पहले बस ने दो वाहनों को भी टक्कर मारी थी एसडीआरएफ के एसआई मनीष भाकुनी ने बताया कि बस हल्द्वानी से डीडीहाट के लिए रवाना हुई थी, तभी रास्ते में बेकाबू होकर पलट गई। हादसे में घायल 6 लोगों को प्राथमिक उपचार के बाद हल्द्वानी रेफर कर दिया गया है, जिनमें से 5 की हालत गंभीर बनी हुई है। वहीं, 2 अन्य घायलों का इलाज भवाली अस्पताल में चल रहा है। हादसे में 44 साल के व्यक्ति की मौत हो गई है, उसकी अभी तक शिनाख्त नहीं हो सकी है, उसकी पहचान की कोशिश जारी है। ड्राइवर और कंडक्टर की हालत गंभीर है, जिन्हें हल्द्वानी भेजा गया है।

रासायनिक रिसाव से निपटने को सेना से बीरपुर में किया अभ्यास

देहरादून। रासायनिक, जैविक, रेडियोलॉजिकल और परमाणु (सीबीआरएन) जैसी गंभीर और खतरनाक आपात स्थितियों से निपटने के लिए भारतीय सेना और प्रशासन ने तैयारियां परखीं। अभ्यास में सेना के साथ–साथ राज्य की विभिन्न आपातकालीन एजेंसियों ने हिस्सा लिया और किसी भी बड़ी अनहोनी के समय आपसी समन्वय का प्रदर्शन किया। बीरपुर छावनी में 25 और 26 मार्च को दो दिवसीय द्विवार्षिक सीबीआरएन अभ्यास किया गया। अभ्यास को वास्तविक रूप देने के लिए एक औद्योगिक इकाई में रासायनिक गैस रिसाव की मॉक ड्रिल तैयार की गई थी।

नवाचार और तकनीक में महिलाओं की भूमिका पर मंथन

देहरादून। सीएसआईआर–भारतीय पेट्रोलियम संस्थान (आईआईपी) में 'एसीएसआईआर साइंस क्लब' की ओर से राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में 'आगाज़ 4.0' का आयोजन किया गया। 'विज्ञान में महिलाएंः विकसित भारत की उत्प्रेरक' विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम में नवाचार और तकनीक में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर मंथन हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थान के निदेशक डॉ. हरेंद्र सिंह बिष्ट ने गया, उन्होंने वैज्ञानिक नवाचार और सहयोगात्मक अनुसंधान के महत्व पर जोर दिया। मुख्य अतिथि एसीएसआईआर के निदेशक प्रो. मनोज कुमार धर ने भविष्य के शोधकर्ताओं के निर्माण और बहुविषयक दृष्टिकोण अपनाने पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। सत्र का समापन डॉ. हेमंत कुलकर्णी (प्रमुख, एसएसडीडी) के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।200 प्रतिभागियों ने दिखाया हुनरइस आयोजन में लगभग 200 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। छात्रों ने 'आत्मनिर्भर भारत' पर रंगोली, 'प्रकृति की खोज' पर फोटोग्राफी और संवहनीय ऊर्जा पर ग्राफिकल एब्सट्रैक्ट जैसी प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा दिखाई।

उत्तराखंड बोर्ड परीक्षा की कॉपियों का मूल्यांकन कार्य शुरू

रुद्रपुर। उत्तराखंड विद्यालयी शिक्षा बोर्ड परीक्षा की कॉपियों का मूल्यांकन कार्य शुरू हो गया है। ऊधमसिंह नगर जिले में 27 मार्च से 10 अप्रैल तक बोर्ड परीक्षाओं की कॉपियों का मूल्यांकन किया जाएगा। इस दौरान हाईस्कूल और इंटर की कुल 1,11,016 उत्तर पुस्तिकाओं की जांच होगी। मुख्य शिक्षा अधिकारी हरेन्द्र कुमार मिश्रा ने बताया कि जिले में जनता इंटर कॉलेज रुद्रपुर, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज काशीपुर और राजकीय बालिका इंटर कॉलेज खटीमा में मूल्यांकन केंद्र बनाए गए हैं। इन केंद्रों पर शिक्षकों की तैनाती की गई है, ताकि निर्धारित समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण मूल्यांकन सुनिश्चित किया जा सके। आंकड़ों के अनुसार, हाईस्कूल की 88,580 और इंटर की 22,436 कॉपियां जांची जाएंगी। केंद्रवार विवरण में जनता इंटर कॉलेज रुद्रपुर में हाईस्कूल की 47,191 और इंटर की 8,543 कॉपियों का मूल्यांकन होगा। वहीं, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज काशीपुर में हाईस्कूल की 25,652 और इंटर की 9,671 कॉपियां जांची जाएंगी। इसके अलावा, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज खटीमा में हाईस्कूल की 15,737 और इंटर की 4,222 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि मूल्यांकन प्रक्रिया को पारदर्शी और त्रुटिरहित बनाने के लिए विशेष दिशा–निर्देश जारी किए गए हैं।

8670 रुपए रिकवरी के फेर में गंवा दिए एक लाख

रुद्रपुर। ऑनलाइन भेजी गई रकम ट्रांसफर न होने पर एक व्यक्ति को यू–ट्यूब पर वीडियो से कस्टमर केयर का नंबर लेकर मदद लेना महंगा पड़ गया। कथित तौर कस्टमर केयर कर्मी ने झांसा देकर ओपीटी पूछकर उसके खाते से एक लाख रुपये निकाल लिए। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, धर्मपाल निवासी ठाकुर नगर ट्रांजिट कैंप मूलरूप से ग्राम व पोस्ट सुन्हो, फरीदपुर थाना भूता जिला बरेली का निवासी है। 22 फरवरी को उनसे बल्ली फंटी वाले को 8670 रुपये ऑनलाइन भेजे थे, लेकिन यह रकम फंटी वाले को नहीं मिली। इस पर उसने यू–ट्यूब से एक वीडियो देखी से कस्टमर केयर का नंबर लिया। इस पर उसने कॉल करने पर जब उसने सहायता मांगी तो कथित कस्टमर केयर कर्मी ने मोबाइल पर नेबी एप डाउनलोड कर उसे वीडियो कॉल करने को कहा। इसके बाद थ्री डाट पर क्लिक कर बैलेंस चेक करने को कहा। इसके बाद ओटीपी भेजा और उससे ओटीपी पूछ लिया। ओटीपी बताते ही उसके खाते से एक लाख रुपये निकल गए। इस पर उसने पुलिस से शिकायत की। मामले में पुलिस ने अज्ञात साइबर ठग के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

15 दिन चले अभियान में 64 तस्कर गिरफ्तार

रुद्रपुर। जिले में अवैध हथियारों के खिलाफ चलाए गए 15 दिवसीय विशेष अभियान में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय गणपति के निर्देश पर 12 मार्च से 26 मार्च 2026 तक चले इस अभियान के दौरान 59 मुकदमे दर्ज किए गए, जबकि 64 आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया। अभियान के तहत जिलेभर में सघन चेकिंग और प्रभावी कार्रवाई करते हुए पुलिस ने भारी मात्रा में अवैध शस्त्र बरामद किए। कुल 77 से अधिक हथियारों में 71 तमंचे, 3 पिस्टल, 2 पंप एक्शन गन और 315 बोर की एक बंदूक शामिल हैं। इसके अलावा 116 जिंदा कारतूस, 4 खोखा कारतूस और 2 मैगजीन भी बरामद की गईं। सोशल मीडिया पर शस्त्र प्रदर्शन के एक मामले में लाइसेंसी पिस्टल और कारतूस भी जब्त किए गए। जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में हुई कार्रवाई में ट्रांजिट कैंप और रुद्रपुर कोतवाली क्षेत्र में सबसे अधिक बरामदगी दर्ज की गई।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
—सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382—222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail: nagendra.uniyal@gmail.com